A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 20 जनवरी, 2025

04 - भारत को विदेश नीति पुनर्गठित करने की जरूरत

05 - फोन कॉलर प्रदर्शित करने की सेवा पर लोकहित याचिका

06 - जिले के अधिकांश सरकारी स्कूलों में हैंडवाश यूनिट (प्याऊ) बंद, बच्चे-शिक्षक...

07 - उम्मीदों का सुरमय सफर श्री जानकी बैंड ऑफ वूमन

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-141 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

खिड़की पर बैठा मृदु हृदय, बाहर के
शोर को भांप रहा,
या अवसाद के दलदल में फंसा, अंदर
के कोलाहल से भाग रहा।
आँखों की तन्मयता से ईश्वरीय कृतियों
को, विस्मृत होकर जांच रहा,
या विखंडित मन के भंवर में डूबकर,
कोरी शून्यता को ताक रहा।
शहर के झिलमिल आवरण में, ये समय
असंख्य अवसरों को बाँट रहा,
या फिर स्वयं की निरंतर गति में
चलकर, वो भी बस समय को काट रहा।
नयनों से झड़ते नीर की आर में, प्रेम
स्वयं के अग्न को झांप रहा,
या विरह की चीखों से विचलित हो,
स्थायित्व में अपने काँप रहा।
स्वतंत्र छवियों की उन्मुक्तता से, उनके
मुस्कान के नभ को आंक रहा,
या स्वयं के पग की बेड़ियाँ देख, नियति
के चीथड़ों को टांक रहा।
स्वप्न मिलन के सार्थक हैं पथ पर, जो
चिह्न ईर्ष्या का, इस मानस पर छाप रहा,
या सुदूर सागर में कल्पना की कश्ती में,
इच्छाओं के टुकड़े, यथार्थ फांक रहा।
चहचहाते पंछियों के हर्षित स्वर में, मन
मलंग की लय पर नाच रहा,
या नि:शब्दिता की गूंज में उठते तरंग
पर, मानस इस छंद को डांट रहा।
क्षणभंगुर क्षणों की जीवंतता को, अद्भुत
और अनोखा ये राग रहा,
या स्मृतियों की शाश्वतता का, कोरे
आँचल पर ठहरा एक दाग रहा।

खिड़की पर बैठा मृदु हृदय, बाहर के
शोर को भांप रहा,
या अवसाद के दलदल में फंसा, अंदर
के कोलाहल से भाग रहा।

– मनीषा मंजरी

प्रसंगवश

आखिर कैसे संभव हुआ इसराइल-हमास के बीच युद्धविराम ?

टॉम बेटमैन, रुश्दी अबुअलूफ़ और लुसी विलियमसन

ग़ा | ज़ा में युद्धविराम के लिए बातचीत करने वाले इसराइल और हमास के वार्ताकार पहले कभी इतने क़रीब नहीं रहे होंगे। बातचीत ख़त्म होने तक उनके बीच सिर्फ एक फ्लोर की दूरी थी।

क़तर, मिस्र और अमेरिका की मध्यस्थता में इसराइल और हमास के बीच युद्धविराम के लिए बातचीत पिछले कई महीनों से घिसट ही रही थी। लेकिन बीते दिनों युद्धविराम पर बातचीत करने वाले सभी पक्ष दोहा की एक ही बिल्डिंग में थे और बातचीत भी रफ़्तार पकड़ चुकी थी। युद्धविराम समझौते का फ्रेमवर्क 15 जनवरी को तय हो गया था। मोटे तौर पर वो वही प्रस्ताव था जो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पिछले साल मई में व्हाइट हाउस में दिए गए एक संबोधन में बताया था। इस प्रस्ताव के मुताबिक़ युद्धविराम तीन चरणों में लागू होगा। पहले चरण के तहत इसराइल की जेलों में बंद फ़लस्तीनी कैदियों के बदले हमास के कब्ज़े में मौजूद इसराइली बंधकों को रिहा किया जाएगा। इसके बाद गज़ा से इसराइली सेना धीरे-धीरे पीछे हटेगी और फिर आख़िरी चरण में ग़ज़ा के पुनर्निर्माण का काम होगा।

बातचीत के बारे में जानकारी रखने वाले सूत्रों का कहना है कि मध्य दिसंबर में बातचीत के आयाम बदले और फिर इसकी रफ़्तार भी बदल गई। दो महीने पहले ही इसराइल ने ग़ज़ा में हमास के नेता याह्या सिनवार को मार दिया था। हमास धीरे-धीरे अलग-थलग पड़ता जा रहा था। लेबनान में इसका सहयोगी हिज़्बुल्लाह भी ध्वस्त हो चुका था और वो इसराइल से समझौते के लिए तैयार हो गया था। ईरान समर्थित बशर अल-असद की सरकार भी एक ही झटके में ध्वस्त हो गई थी। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका में लोगों की ये राय थी कि हमास को ये इरादा छोड़ने के लिए मजबूर किया गया तो कोई उसे बचाने या उसकी मदद के लिए आ जाएगा।'

ये कहना मुश्किल है कि बुनियादी समीकरण कैसे बदले और हमास का आकलन कैसे बदला। एक इसराइली अधिकारी ने नाम न ज़ाहिर करने की शर्त पर कहा कि हमास बातचीत की बजाय अपनी 'शर्तें थोप' रहा था। लेकिन सिनवार की मौत और मध्यपूर्व में हमास के सहयोगियों के खिलाफ़ इसराइल के ऑपरेशनों ने उसका रुख़ बदल दिया।

अधिकारी ने कहा कि सबसे अहम बात ये है कि अमेरिका के दोनों प्रशासनों ने यानी बाइडन और आने वाले ट्रंप प्रशासन ने, समझौते के लिए माहौल तैयार कर दिया था। उन्होंने कहा 'अगर हालात नहीं बदलते तो हम इस तरह का समझौता नहीं कर पाते।' 12 दिसंबर को अमेरिकी वार्ताकारों की टीम ने इसराइल के प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू से मुलाक़ात की। इस टीम में व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन, मध्य पूर्व के दूत ब्रेट मैकगर्क और सीआईए के डायरेक्टर बिल बर्न्स मौजूद थे। बातचीत का केंद्र 'नए क्षेत्रीय समीकरण' था। इसके साथ ही इस बात पर भी चर्चा हुई कि 'लेबनान में युद्धविराम से लेकर ग़ज़ा पर गहन चर्चा के एक और दौर की ओर कैसे बढ़ा जाए।'

'उस समय तक बातचीत से जुड़े इस पूरे परिदृश्य में एक और खिलाड़ी की एंट्री हो चुकी थी। और वो थे अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। युद्धविराम की कोशिशों को लेकर वो असाधारण तौर पर उम्मीद से भरे दिखे। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर हमास ने बंधकों को रिहा नहीं तो उसे बहुत बुरे नतीजे भुगतने होंगे। लेकिन हमास राज़ी नहीं हो रहा था। वो समझौते के पहले चरण में रिहा किए जाने वाले बंधकों की सूची को लेकर सहमत नहीं हो रहा था और ये इस बिंदु पर एक प्रमुख अड़चन थी। जब तक रिहा किए जाने वाले बंधकों के नामों पर सहमति नहीं बन जाती तब तक समझौता नहीं हो सकता था।'

क़तर और मिस्र के मध्यस्थों के लिए दरवाज़े खुले थे ताकि वो अपनी कोशिश जारी रखें। तीन जनवरी को इस मामले में एक स्पष्ट कामयाबी दिखी जब हमास ने आजीवन कारावास की सज़ा काट रहे 110 फ़लीस्तीनी कैदियों की रिहाई का प्रस्ताव रखा। इसका मतलब ये था कि शर्तें लगभग तय हो चुकी थीं। हमास की ओर से रिहा किए जाने वाले बंधकों के बदले इसराइल को एक संकेत देना था, यानी ये फ़लीस्तीनी कैदियों की एक संख्या जिस पर हमास और इसराइल दोनों सहमत हों। या फिर उसे फ़लस्तीनी कैदियों की एक खास पहचान बतानी होगी। बातचीत के दौरान इसराइली बंधकों की रिहाई के लिए बनी फ़ाइल के हिसाब से, हमास ने फ़लीस्तीनी कैदियों के नाम की लिस्ट बनाई थी, उन्हें 'कीज़' यानी 'चाबी' कहा जा रहा था।

बातचीत के दौरान हमास लंबे समय से जिन दो मांगों को लेकर मुखर था उस पर उसने नरमी बरती। पहला, पहले चरण में गाज़ा से इसराइली सेना की पूरी तरह वापसी, और दूसरा पूरी तरह युद्धविराम के लिए इसराइल की औपचारिक प्रतिबद्धता। इस कामयाबी को भांपते ही मिस्र के मध्यस्थों ने तुरंत मेजर जनरल अब्दुल ख़ालिक को बातचीत के लिए भेजा। जनरल अब्दुल ख़ालिक मिस्र के इंटेलिजेंस विभाग में फ़लस्तीनी पोर्टफोलियो देखते हैं। लेकिन एक फ़लीस्तीनी अधिकारियों के मुताबिक़ छह जनवरी को, इसराइल ने 11 बंधकों पर हमास की ओर से रखे गए प्रस्ताव को नामंज़ूर कर दिया। हमास ने मीडिया एजेंसियों को 34 इसराइली बंधकों के नाम और उम्र की एक सूची भेजकर अपनी प्रतिक्रिया दी। बातचीत के अंतिम चरण में दोहा की गर्म शामों में छोटी-छोटी अवधि में बातचीत हुई।

मध्यस्थों ने आपस में कागज के टुकड़ों पर लिखकर बातचीत की। इन सब ब्योरों में क़तर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी शामिल थे। नौ जनवरी तक दबाव काफी बढ़ गया था। ट्रंप और बाइडन के दूत के अलावा मिस्र के खुफ़िया प्रमुख आठ घंटे की बातचीत के गंभीर सेशन के लिए दोहा बुलाए गए। समझौता 90 फ़ीसद तक पहुंच चुका था। बाकी मुद्दों को निपटाने के लिए आगे की बातचीत करनी थी।

ट्रंप की ओर से हाल में ही नियुक्त मध्यपूर्व के दूत स्टीव विटकॉफ़ ने नेतन्याहू से भेंट की। ट्रंप कैंप ने इसराइली सरकार के आखिरी संदेहों को दूर किया। अब ये साफ हो चुका था कि जल्द ही कोई समझौता हो जाएगा। ग़ज़ा के अंदर बंधक बनाए गए लोगों और विस्थापित फ़लस्तीनी परिवारों के बीच भी ये उम्मीद कम नहीं थी। एक ब्योरे के मुताबिक़ आखिरी 72 घंटों की बातचीत में सौदे को कैसे लागू किया जाए, इस पर बारीक़ी से चर्चा हुई।

मध्यस्थों ने प्रस्ताव दिया कि इसराइली सेना की बजाय क़तर और मिस्र की तकनीकी टीमें तलाशी का काम करेंगीं। दोनों दोनों पक्ष सहमत हुए और समझौते में अंतिम गतिरोध भी ख़त्म हो गया।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

हमें विकास के साथ विरासत को भी सहेजना है : प्रधानमंत्री

पीएम मोदी बोले-जात-पात से परे कुंभ एकता का महाकुंभ है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 118वें एपिसोड में महाकुंभ और रामलला का जिक्र किया। उन्होंने कहा- महाकुंभ में दुनियाभर से लोग आते हैं। यह सामाजिक समरसता का ऐसा संगम है, जहां जात-पात, ऊंच-नीच से परे लोग एक-दूसरे के साथ पवित्र स्नान करते हैं। भंडारों में भोजन और प्रसाद लेते हैं। मोदी ने

- **यह उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम को एक सूत्र में बांधता है**

कहा- कुंभ एकता का महाकुंभ है। उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम को यह एक सूत्र में बांधता है। यह हजारों साल से चली आ रही परंपरा है। एक तरफ प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में कुंभ होता है। वहीं, दूसरी तरफ गोदावरी, कृष्णा, कावेरी और नर्मदा नदी के तट पर पुष्करम मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने अपने 30 मिनट के प्रोग्राम में 23, 25 और 26 जनवरी के अलावा रामलला, स्टार्टअप इंडिया, स्पेस सेक्टर, हाथी बंधु, टाइगर रिजर्व, अरुणाचल प्रदेश और निकोबार में वर्जिन कोकोनट ऑयल का भी जिक्र किया। 26 जनवरी की वजह से पीएम का प्रोग्राम इस बार एक हफ्ते पहले हुआ। उन्होंने कहा- इस बार का गणतंत्र दिवस बहुत विशेष है। संविधान सभा के दौरान अनेक विषयों पर लंबी-लंबी चर्चाएं हुईं। वे चर्चाएं, संविधान सभा के सदस्यों के विचार, उनकी वो वाणी, हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। पीएम ने संविधान को लेकर बाबा साहब अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भाषण के क्लिप सुनाए। पीएम ने कहा- इन महान विभूतियों की वाणी हमारी बहुत बड़ी धरोहर है। हमें इनसे प्रेरणा लेकर काम करना है। प्रधानमंत्री ने कहा- 25 जनवरी को नेशनल वोटर्स डे है। इसी दिन चुनाव आयोग की स्थापना हुई थी। देश में जब 1951-52 में पहली बार चुनाव हुए तो कुछ लोगों को संशय था कि देश का लोकतंत्र जीवित रहेगा लेकिन जनता ने इसे साबित कर दिया कि भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी है। पीएम ने कहा- प्रयागराज में महाकुंभ का श्रीगणेश हो चुका है। कुंभ का ये उत्सव विविधता में एकता का उत्सव मनाता है। संगम की रेती पर विश्व के लोग जुटते हैं। हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव नहीं, जातिवाद नहीं। 'कुंभ', 'पुष्करम' और 'गंगा सागर मेला' - हमारे ये पर्व, हमारे सामाजिक मेल-जोल को, सद्भाव को, एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं। ये पर्व लोगों को परंपराओं से जोड़ते हैं। हमने 11 जनवरी को पौष शुक्ल द्वादशी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की द्वादशी मनाई है। ये दिन प्रतिष्ठा द्वादशी का दिन बन गया है। हमें विकास के साथ विरासत को सहेजना है। उनसे प्रेरणा लेना है। पीएम ने कहा- एक भारतीय स्पेस टेक स्टार्टअप बेंगलुरु के पिक्सेल ने देश का पहला निजी सैटेलाइट कौंसीलेशन फायर फ्लाई, सफलतापूर्वक लॉन्च किया है।

फिट इंडिया के लिए अतीत से जुड़ना पड़ेगा : डॉ. यादव

भोपाल में केंद्रीय खेल मंत्री डॉ.मांडविया ने कहा- विकसित भारत के लिए युवाओं का स्वस्थ रहना आवश्यक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम अगर फिट इंडिया की बात करते हैं, तो भारत के गौरवशाली अतीत से भी जुड़ना पड़ेगा। उदाहरण हमारे सामने है, उस समय रानी लक्ष्मीबाई एक उदाहरण थी, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ अपने बच्चे को पीठ पर बांध पर घुड़सवारी करते हुए लड़ाई लड़ी। हमारे लिए महाराणा प्रताप उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भोपाल में 'फिट इंडिया क्लब' का लोकार्पण किया।

अतीत के सारे उदाहरण हमको याद करने पड़ेंगे। एक लाख कोशिकाएं रोज मिलती है, तब हम हर दिन जीते है, इसलिए रोज सूर्य हमारा ध्यान आकर्षित करता है। हमारी सरकार लगातार फिट इंडिया को गली-गली तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है। साल 2020 की शिक्षा नीति लागू होने के बाद से मध्य प्रदेश सरकार ने सभी स्कूलों और कॉलेजों में फिटनेस का एक विषय रखा है।

रविवार को भोपाल के गौतम नगर में देश के पहले फिट इंडिया क्लब का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने किया। साथ ही इस मौके पर विभिन्न खेल अधोसंरचनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया है। खेल और युवा कल्याण विभाग ने कार्यक्रम में 'फिट इंडिया' पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

मोदी जी का संदेश है कि हमें विकसित भारत बनाना है

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा- आज से तीन-चार महीने पहले जब मैं सभी राज्य के खेल मंत्रियों से बात कर रहा था तो मैंने कहा था कि मोदी जी का संदेश है कि हमें विकसित भारत बनाना है। देश आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा है। देश विकसित भारत बने लेकिन विकसित भारत बनाने के लिए सबसे पहले देश के नागरिक युवा स्वस्थ रहें बहुत आवश्यक होता है। स्वस्थ नागरिक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है, स्वस्थ समाज समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है।

यदि हमें देश को समृद्ध राष्ट्र बनाना है तो लोगों का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। इसके लिए प्रधानमंत्री जी ने देश के नागरिकों को फिट रहने की सलाह दी और उसके लिए फिट इंडिया क्लब शॉर्ट टाइम में तैयार किया। यहां का क्लब देखा हमने योग की व्यवस्था है, जूस मिले इसकी व्यवस्था है, महिलाओं की फिटनेस और युवाओं के लिए फिटनेस की व्यवस्था है।

फिटनेस फिल्मी एक्टर्स जैसी नहीं बल्कि चंद्रशेखर आजाद जैसी होनी चाहिए : विश्वास सारंग

खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा ये मेरा सौभाग्य है कि पिछली बार में मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टर था तो मनसुख भाई हेल्थ मिनिस्टर थे। इस बार मैं खेल मंत्री हूं तो वे केंद्र में खेल मंत्री हैं। मैं चाहता हूं कि वे और भारी भरकम विभाग के मंत्री बनें। विश्वास सारंग ने कहा फिटनेस फॉर नेशन के कॉन्सेप्ट पर हमने देश के पहले फिट इंडिया क्लब की आधारशिला रखी। फिटनेस फिल्मी एक्टर्स जैसी नहीं बल्कि चंद्रशेखर आजाद जैसी होनी चाहिए।

शाह का ऐलान, दिल्ली में बनेगी एनडीए की सरकार

आंध्र प्रदेश में कहा-प्राकृतिक आपदा में एनडीआरएफ काम आती है

अमरावती (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के पास नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के दक्षिणी परिसर और नेशनल डिजास्टर रिसपॉन्स फोर्स की 10वीं बटालियन परिसर के साथ अन्य प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इस दौरान एक जनसभा में उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा भगवान द्वारा भेजी जाती है तो एनडीआरएफ मदद के लिए आती है। मैन मेड (मानव निर्मित) आपदा होती है तो एनडीए मदद के लिए आती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा के बाद एनडीए 2025 में दिल्ली में सरकार बनाएगी। शाह ने

कहा कि आंध्र प्रदेश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का पूरा समर्थन है। केंद्र ने सिर्फ 6 महीनों में राज्य के लिए 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी ने हुडको और विश्व बैंक के माध्यम से राजधानी अमरावती के विकास के लिए 27 हजार करोड़ रुपए सुनिश्चित किए हैं। शाह ने पिछली जगन रेड्डी की सरकार पर कटाक्ष करते हुए आंध्र प्रदेश के लोगों से बर्बाद हुए पिछले 5 सालों पर ध्यान न देने को कहा। उन्होंने कहा कि सीएम नायडू और पीएम मोदी राज्य के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में लगी भीषण आग, 50 टेंट खाक

- **खाना बनाते वक्त सिलेंडर ब्लास्ट हुआ, एक घंटे में काबू पाया**
- **हादसे वाली जगह पर पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ, लिया जायजा**

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ मेला 2025 में लगी आग पर काबू पाया गया है। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को बुझाया। सिलिंडर ब्लास्ट के कारण शिविर में आग लगी। तेज हवा के कारण एक टेंट से दूसरे टेंट तक आग बढ़ती चली गई। इस आगलगी की घटना में पहले 50 टेंटों के खाक होने की बात सामने आई है। हालांकि, दावा किया जा रहा है कि नागा संन्यासियों के करीब 200 टेंटों को आग ने अपनी चपेट में लिया। आग लगने की घटना की जानकारी मिलते ही एनडीआरएफ और

एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने में सफलता पाई गई। आग लगने के कारण सेक्टर 19 के इलाके में धुआं और पानी दिख रहा है। वहीं, इस आगलगी के गीता प्रेस के शिविर से भड़कने की बात सामने आ रही है। आग बुझाने के लिए 12 फायर ब्रिगेड भेजी गई थीं। एक घंटे के भीतर ही फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया। आग में 50 टेंट जल गए। एक संन्यासी के एक लाख रुपए के नोट भी जल गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया। आग लगने की घटना से कुछ देर पहले ही उन्होंने हेलीकॉप्टर से महाकुंभ मेला क्षेत्र का जायजा लिया था। रिपोर्ट के मुकाबिक, महाकुंभ मेले के सेक्टर नं-19 पुल नंबर 12 के निकट झूंसी रेलवे लाइन के नीचे गीता प्रेस कैंप में आग लगी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सिलेंडर फटने के कारण आग लगी है। कैंप में खाना बनाया जा रहा था, जिस दौरान सिलेंडर फट गया। इसके बाद वहां आग लग गई।

पीएम मोदी ने ली जानकारी, योगी ने लिया जायजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाकुंभ 2025 के दौरान लगी आग की घटना की जानकारी ली है। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ को फोन कर घटना के बारे में जानकारी हासिल की। महाकुंभ में आग लगने की घटना के बारे में उन्होंने पूछा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ मेले में मौजूद होने और आग लगने की घटना को लेकर विस्तार से जानकारी दी। पीएम को यह भी बताया गया कि आग पर काबू पा लिया गया है। इसमें किसी प्रकार के जान माल की क्षति नहीं पहुंची है। इसके बारे में भी पीएम को बताया गया है। कुंभ मेला क्षेत्र में लगी आग पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया। प्रयागराज महाकुंभ को लेकर सीएम योगी रविवार को प्रयागराज में ही थे। जैसे ही उन्हें घटना की जानकारी मिली, वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से आग की घटना में हुई क्षति की जानकारी ली। पैदल वे घटनास्थल पर पहुंचे। अगलगी की घटना के बाद तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। मेला क्षेत्र में लगी आग के मामले में एडीजी ने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच होगी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c | न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार,20 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अंबेडकर ने नहीं, इंदिरा ने संविधान में सेकुलर-सोशलिज्म जोड़ा

- नड्डा बोले-उन्होंने इमरजेंसी लगाई,अखबारों के एडिटोरियल ब्लैंक हो गए

अहमदाबाद (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भाजपा के कार्यक्रम संविधान गौरव अभियान के लिए अहमदाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा- 75 साल की इस यात्रा में 65 साल कांग्रेस के नेताओं ने इस देश पर राज किया। लेकिन यहां आज मैं एक बात बताना चाहता हूं कि बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान के साथ कांग्रेस ने खिलवाड़ किया। संसद में बिना पास कराए

अनुच्छेद 35ए लागू कर दी। नड्डा ने कहा कि अंबेडकर ने कहा था कि सेक्युलर शब्द तो हमारे में है ही। क्योंकि हम लोगों ने सभी धर्मों को बराबर माना है, इसलिए सेक्युलर शब्द लगाने की आवश्यकता नहीं है, जो इस्लामिक स्टेट है, उन्हें यह शब्द संविधान में लगाने की जरूरत है। अंबेडकर ने सोशलिजम पर कहा कि किस किस्म की सरकार भारत को चाहिए, इसका फैसला जनता करेगी। इसलिए हम यह शब्द संविधान में नहीं लाएंगे, लेकिन इंदिरा ने सेक्युलर और सोशलिजम शब्द जोड़ा। इंदिरा ने ही इमरजेंसी लगाकर क्रूरता की। दरअसल, संसद के शीतकालीन सत्र में अमित शाह के अंबेडकर को दिए बयान की कांग्रेस ने आलोचना की थी।

मुंबई पुलिस को मिली सैफ के हमलावर की रिमांड

- हमलावर की बांद्रा कोर्ट में पेशी, ठाणे से हुआ था गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के मामले में ठाणे से गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिक पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। रविवार दोपहर उसे खार पुलिस स्टेशन से बांद्रा कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने कोर्ट में 14 दिन की कस्टडी देने की मांग की। कोर्ट ने सुनवाई के बाद पांच दिनों के लिए मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद (30) को पुलिस की कस्टडी में भेज दिया। पुलिस को आरोपी की 24 जनवरी तक की रिमांड मिली है। पुलिस ने सैफ अली खान के ऊपर हमले के मामले

में ठाणे के हीरानंदानी इलाके में रहने वाले मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद (30) को अरेस्ट किया है। रविवार सुबह डीसीपी जोन-9 दीक्षित गेडाम ने कहा था कि पुलिस कोर्ट से कस्टडी में लेकर मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद पूछताछ करेगी। इसमें पता लगाया जाएगा कि उसका क्या मकसद था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद 14 दिन की रिमांड मांगी थी। पुलिस ने कोर्ट में दलील दी कि यह बांग्लादेशी है। ऐसे में वह किस मकसद से सैफ अली खान के घर में घुसा और हमला किया। इसका जांच जरूरी है तो वहीं दूसरी बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि वह बांग्लादेशी नहीं है।

भारतीय सेना पर देश और दुनिया को है गर्व : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आमजन और सेना के बीच जुड़ाव को प्रोत्साहित करेगी आर्मी मैराथन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पूरे देश और दुनिया को भारतीय सेवा पर गर्व है। बेहद अनुशासित इकाई के रूप में सेना ने अपनी विशेष पहचान बनाई है। अपनी क्षमता और योग्यता से दुनिया की कई चुनौतियों का समाधान कर भारतीय सेना ने कठिनतम समय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। देश को आजादी मिलने के समय, विश्व के कई देश स्वतंत्र हुए लेकिन भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित है, इस पर सभी भारतवासियों को गर्व है। भारतीय सेना का अनुशासन, सजकता, स्फूर्ति और तत्परता ही इस गौरव का आधार है। साहस और शक्ति से संपन्न भारतीय सेना ने हर राजनीतिक परिस्थिति में अपनी सीमा और अनुशासन में रहते हुए मूल भूमिका का निर्वहन किया और देश हित में श्रेष्ठतम योगदान दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, फिटनेस-एकता और देश भक्ति के लिए 'फिट इंडिया रन विथ इंडियन आर्मी' के आदर्श वाक्य के साथ द्रोणाचल में आयोजित आर्मी मैराथन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैराथन विजेताओं को पुरस्कार वितरित भी किऐ। इस अवसर पर उत्साह और जोश से भरपूर भांगड़ा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सेना के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह भेंट किए।

बेटा-बेटी समान अधिकार और सम्मान के हकदार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सशक्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा सीमा पर तैनात सेना के जवानों के साथ दिवाली मनाने की की पहल सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 1949 में जनरल के.एम. करियप्पा के भारतीय सेना के पहले कमांडर इन चीफ के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की याद में 15 जनवरी को सेना दिवस मनाया जाता है। इस क्रम में सुदर्शन चक्र कोर द्वारा आर्मी मैराथन आयोजन की पहल सराहनीय है। उन्होंने इसकी निरंतरता बनाए रखने की अपील की और अधिक से अधिक लोगों से मैराथन में सहभागी होने का आह्वान किया।

भोपालवासियों की सहभागिता उत्साहवर्धक रही:मंत्री विश्वास सारंग - खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि सेना और आमजन के बीच जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित आर्मी मैराथन में भोपालवासियों की सहभागिता उत्साहवर्धक रही। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा खेल और युवा कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी दी। मेजर जनरल श्री एस.के. श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी।

बहुत उत्साहित हूं...

मोदी के साथ पॉडकास्ट को लेकर फूले नहीं समा रहे लेक्स फ्रीडमैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पॉडकास्ट की बातचीत में भाग लेना शुरू किया तो उन्हें दुनियाभर से आग्रह मिलने लगे। विख्यात अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन का आग्रह प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया है। फ्रीडमैन अब भारत आकर

- जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूसरा पॉडकास्ट वीडियो आएगा
- अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन पीएम मोदी से करेंगे बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत करेंगे और वीडियो को अपने यूट्यूब चैनल पर साझा करेंगे। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी और कहा कि फरवरी के आखिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनका पॉडकास्ट शूट होगा। फ्रीडमैन ने एक्स पर लिखा, मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक पॉडकास्ट फरवरी के अंत में करूंगा। मैं पहले कभी भारत नहीं गया, इसलिए मैं अंततः यहां आने और इसकी जीवंत, ऐतिहासिक संस्कृति तथा इसके अद्भुत लोगों के अनेक पहलुओं का यथासंभव अनुभव करने के लिए उत्साहित हूं। पीएम मोदी ने अपना पहला पॉडकास्ट नितिन कामत के साथ शूट किया था। 10 जनवरी को यूट्यूब चैनल पर रिलीज इस पॉडकास्ट को अब तक 40 लाख, 54 हजार से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। बीजेपी ने भी इस पॉडकास्ट को अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किया है जिसे 1.78 लाख से ज्यादा व्यूज मिले हैं। वहीं, प्रधानमंत्री के यूट्यूब चैनल पर इसे अब तक 22 लाख, 84 हजार से ज्यादा व्यूज मिले हैं। लेक्स फ्रीडमैन दुनियाभर में मशहूर पॉडकास्टर हैं। उनके यूट्यूब चैनल के 45 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। वो हर क्षेत्र के लोगों के साथ पॉडकास्ट करते हैं और उनके वीडियोज को लाखों व्यूज मिलते हैं। उन्होंने दूसरी बार अमेरिका राष्ट्रपति बनने जा रहे डॉनल्ड ट्रंप, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क जैसी जानी-मानी हस्तियों के साथ पॉडकास्ट कर चुके हैं।

सिंहस्थ महाकुंभ से उज्जैन बनेगा वैश्विक धार्मिक पर्यटन गंतव्य

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ महाकुंभ अद्भुत सामाजिक समागम है, इससे समाज की दिशा तय होती है। पहले लोग कुंभ के मेले में तय हुई दिशा को लेकर जाते थे और समाज में बदलाव के लिए काम करते थे। समय के साथ परंपराओं में बदलाव आया है, किन्तु हमें अपनी जड़ों और मूल्यों के महत्व को समझना होगा। धार्मिक नगरी उज्जैन में वर्ष 2028 में आयोजित सिंहस्थ की तैयारियां अभी से प्रारंभ कर दी गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भी मानना है कि कुंभ केवल एक मेला ही नहीं, अपितु विश्व को परंपराओं के नवोन्मेष की शिक्षा व संदेश देने वाले शानदार प्रबंधन का एक अद्भुत उदाहरण है। दुनिया को इसे केस स्टडी के तौर पर अपनाना चाहिए।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में जुटी सरकार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार सिंहस्थ महाकुंभ-2028 की तैयारियों में जुटी है, जिसमें विकास और अधोसंरचना के काम शुरू किये जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संकल्प लिया है कि सिंहस्थ-2028 में श्रद्धालुओं को क्षिप्रा नदी के निर्मल जल में ही स्नान कराया जाए और क्षिप्रा नदी में स्वच्छ एवं शुद्ध जल का प्रवाह सदा के लिये सुनिश्चित कर उसे सही अर्थों में पुण्य-सलिला और सदानीरा बनाया जाए, साथ ही पारिस्थितिकी संतुलन भी बना रहे। संकल्प की पूर्ति के लिए उज्जैन में सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी, कान्ह क्लोज डक्ट एवं हरियाखेड़ी परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं और 18 बैराज एवं स्टॉप डेम बनाए जा रहे हैं। इससे क्षिप्रा नदी में पूरे वर्ष निर्मल जल प्रवहमान रहेगा, साथ ही उज्जैन को शुद्ध एवं पर्याप्त पेयजल भी उपलब्ध हो सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंहस्थ कुंभ के सफलआयोजन से उज्जैन को एक प्रमुख वैश्विक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में भी स्थापित करना चाहते हैं।

परियोजनाएं की होगी पाक्षिक समीक्षा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ आयोजन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागीय कार्यों को समय-सीमा में पूरा किए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि सभी कार्यों की प्रगति की पाक्षिक समीक्षा हो रही है। वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत स्तर पर इनकी सतत निगरानी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उज्जैन और इंदौर जिलों में निर्माण कार्य और मौजूदा सुविधाओं के उन्नयन के लिए टेंडर प्रक्रिया मार्च 2025 तक पूरी कर सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर सितंबर 2025 तक पूरे कर लिए जाएं।

चाक-चौबंद यातायात व्यवस्था के लिए विशेष कार्ययोजना

सिंहस्थ आयोजन के दौरान परिवहन व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिये दूसरे संसाधनों के साथ ही रेलवे अधिकारियों के साथ सतत समन्वय के लिए एक विशेष सेल स्थापित किया जाएगा। इससे लाखों श्रद्धालुओं के लिए सिंहस्थ तक पहुंचने का मार्ग सुगम किया जा सकेगा। विशेष मार्गों का विकास भी किया जाएगा, ताकि यातायात प्रवाह का बेहतर प्रबंधन किया जा सके और पीक-ट्रैफिक के दौरान बॉटल-नैकिंग की समस्या उपस्थित न हो सके। इसके साथ ही प्रदेश सरकार उज्जैन और इंदौर को जोड़ने के लिए 2312 करोड़ रुपए की सड़क उन्नयन परियोजना को मंजूरी दे चुकी है, इसे तीर्थयात्रियों के लिए एक प्रमुख मार्ग के रूप में उपयोग किया जा सकेगा।

बनाए जा रहे स्थाई इंफ्रास्ट्रक्चर, कुंभ के बाद भी आएंगे काम

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के संबंध में आयोजित पहली कैबिनेट बैठक में समिति ने आयोजन के लिए लगभग 5955 करोड़ रुपए की 19 परियोजनाओं को मंजूरी दी, जो जल-आपूर्ति प्रणालियों, सीवेज लाइनों, बिजली ग्रिड्स और अन्य प्रमुख सुविधाओं पर केन्द्रित हैं। साथ ही वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट में सिंहस्थ की तैयारियों के लिए 505 करोड़ रूपये पहले ही आवंटित किए जा चुके हैं। सिंहस्थ मेला क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 3360.6 हेक्टेयर है। विकास योजना में सिंहस्थ मेला क्षेत्र के लिए 2344.11 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल किया जाएगा। मेला क्षेत्र के लिए स्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सड़कें, जल आपूर्ति, सीवेज लाइनें, बिजली, उद्यान आदि के निर्माण की योजना बनाई गई है।

राहुल गांधी के खिलाफ असम में गैरजमानती एफआईआर

गुवाहाटी (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस स्टेशन में शनिवार को एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि राहुल

- कहा था-कांग्रेस भाजपा-संघ और इंडियन स्टेट के खिलाफ लड़ रही है

ने भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले बयान दिए। बीएनएस की धारा 152 के तहत दर्ज एफआईआर गैर जमानती है। यानी अगर राहुल की गिरफ्तारी होती है तो उन्हें जमानत के लिए सीधे कोर्ट जाना पड़ेगा। एफआईआर गुवाहाटी हाईकोर्ट के वकील मोनजीत चेतिया ने दर्ज कराई है। चेतिया ने कहा कि, राहुल के बयान से देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। विपक्ष के नेता का सार्वजनिक मंच से दिया गया बयान साधारण राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। दरअसल, 13 जनवरी को राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ प्रमुख रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को राष्ट्रीय देवी अहिल्या

पुरस्कार देने के लिए इंदौर में थे। समारोह में भागवत ने कहा था कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को प्रतिष्ठा द्वादशी के तौर पर मनाया जाना चाहिए। इसे ही भारत का सच्चा स्वतंत्रता दिवस मानना चाहिए। 15 जनवरी को नए कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन में राहुल ने भागवत के बयान पर कहा- भाजपा, आरएसएस ने हर संस्था पर कब्जा कर लिया है।

केजरीवाल को मारने के लिए भेजे थे कुख्यात अपराधी

- दिल्ली की सीएम आतिशी ने बीजेपी पर लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने आम आदमी पार्टी चीफ अरविंद केजरीवाल पर कथित हमले के लिए रविवार को बीजेपी की आलोचना की। आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को मारने के लिए अपराधियों को भेजा गया था। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पर फेंका गया पत्थर किसी के लिए भी जानलेवा हो सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि कथित हमलावर बीजेपी के नई दिल्ली विधानसभा सीट सेउम्मीदवार प्रवेश वर्मा से जुड़ा हुआ है।

महागठबंधन में दरार, तेजस्वी की छवि को होगा नुकसान

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर तीखे प्रहार किए हैं। जीतनराम मांझी ने राहुल गांधी के संविधान

- जीतन राम मांझी ने की भविष्यवाणी, राहुल पर साधा निशाना
- कहा-तेजस्वी को पार्टी की कमान भारतीय संस्कृति के खिलाफ

सुरक्षा सम्मेलन में शामिल होने पर सवाल उठाते हुए उनकी भूमिका और समझदारी पर गंभीर टिप्पणी की। साथ ही, तेजस्वी यादव को राजद की कमान सौंपे जाने पर भी उन्होंने अपनी राय स्पष्ट करते हुए महागठबंधन में दरार पड़ने की ओर इशारा किया। साथ ही बिहार चुनाव 2025 में महागठबंधन की हार की भविष्यवाणी की। जीतन राम मांझी ने राहुल गांधी के संविधान सुरक्षा सम्मेलन में शिरकत पर तीखा पलटवार करते हुए कहा,संविधान के मुद्दे पर बोलने का

राहुल गांधी को कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि संविधान का महत्व समझने के लिए उसके इतिहास और योगदान को जानना जरूरी है, जो राहुल गांधी शायद नहीं समझते। मांझी ने संविधान निर्माण का श्रेय भारत के 56 वर्षों के लोकतांत्रिक शासन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया।

12वीं की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

निजी कॉलेज के प्रोफेसर की इकलौती बेटी थी, नहीं मिला सुसाइड नोट

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अवधपुरी थाना क्षेत्र में रहने वाले निजी कॉलेज के प्रोफेसर की इकलौती बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार रात की है। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। इकलौती बेटी की मौत के बाद से माता-पिता बदहवास हैं। किशोरी रातीबढ़ के प्रतिष्ठित स्कूल में कक्षा 12वीं की छात्रा थी। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। परिजनों ने भी पुलिस को खुदकुशी के लिए कोई वजह फिलहाल नहीं बताई है।

एसआई राजकुमार शर्मा के मुताबिक राजीव सिंह परिहार अवधपुरी फेस-2 में शुभालय विलास कॉलोनी में परिवार के साथ रहते हैं। वे एलएनसीटी में प्रोफेसर हैं। उनकी इकलौती बेटी आध्या परिहार (17) रातीबढ़ स्थित प्राइवेट स्कूल से 12 कक्षा की पढ़ाई करती थी। शनिवार को राजीव सिंह पत्नी के साथ एम्स में भर्ती रिश्तेदार को देखने गए थे। घर पर आध्या परिहार के साथ नौकरानी और आध्या की रिश्ते की मौसी थी। आध्या अपने कमरे में पढ़ाई कर रही थी। मां पिता ने लौटने के बाद उसे घुमाने बाहर ले जाने का वादा किया था।

खाना लेकर पहुंची नौकरानी ने देखा शव

नौकरानी खाना लेकर जब आध्या के कमरे में पहुंची तो दरवाजा अंदर से बंद था, आवाज देने पर कोई रिस्पांस नहीं मिला। इसके बाद चचेरी मौसी पहुंची और आवाज दी। दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने परिजनों को सूचना दी। परिजन तुरंत घर पहुंचे और पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा तो देखा कि आध्या फंदे पर लटकी हुई थी।

महाकुंभ विशेष

मेले में 100 महिलाएं बन रही हैं नागा संन्यासी

2 विदेशी भी शामिल, मुंडन करवाया, 7 पीढ़ियों का पिंडदान, बिना सिले सफेद वस्त्र पहने

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ में 2 विदेशी समेत 100 महिलाओं ने एक साथ नागा संन्यासी की दीक्षा ली। इसमें सभी आयु वर्ग की महिलाएं हैं। सभी जूना अखाड़े से जुड़ी हैं। अब से इनकी जिंदगी बदल जाएगी। संगम घाट पर अपने केश कटवाए। फिर जीते जी खुद का और अपनी सात पीढ़ियों का पिंडदान किया है। गंगा में 17 पिंड बनाए, जिनमें से 16 उनकी सात पीढ़ियों के थे। एक उनका खुद का था। गंगा स्नान के बाद उन्होंने गेरुआ वस्त्र छोड़कर बिना सिले श्वेत वस्त्र धारण किए। 20 जनवरी को आचार्य महामंडलेश्वर मंत्र देंगे। इस बीच उनकी कठिन साधना चलती रहेगी। 29 जनवरी को मौनी

अमावस्या को तड़के सभी महिलाएं नागा संन्यास की दीक्षा लेंगी। अमेरिका और इटली से आईं दो महिलाओं ने गंगा के तट पर नागा संन्यास की दीक्षा ली।

एक की उम्र 55 साल है, जबकि एक युवा अवस्था में है। दीक्षा के बाद अमेरिका की महिला को कामाख्या देवी और इटली की महिला को शिवानी नाम दिया गया। पुरुष नागा संन्यासी जैसी कठोर होती है दीक्षा लखनऊ की मनकामेश्वर मठ की दिव्या गिरी बताती हैं- महिला नागा संन्यासी तपस्या से गुजरती हैं, जैसे कोई पुरुष गुजरता है।

एनसीसी ए सर्टिफिकेट परीक्षा

- 12 स्कूलों के 400 कैडेट्स ने दिखाया दम, ड्रिल से लेकर फिटनेस तक का टेस्ट

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एमवीएम कॉलेज में 4 एमपी बटालियन की दो दिवसीय एनसीसी ए सर्टिफिकेट परीक्षा का आज सफल समापन हुआ। इस परीक्षा में शहर के 12 स्कूलों से जूनियर डिवीजन और जूनियर विंग के करीब 400 कैडेट्स ने हिस्सा लिया। परीक्षा में कैडेट्स को ड्रिल, मानचित्र अध्ययन, शस्त्र प्रशिक्षण और सामान्य ज्ञान के साथ फिजिकल फिटनेस और लिखित परीक्षा से गुजरना पड़ा। बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अजय कोहली की अगुवाई में एनसीसी अधिकारियों की टीम ने परीक्षा का निरीक्षण किया। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल अजय कोहली की अगुवाई में अधिकारियों ने परीक्षा का निरीक्षण किया। सूबेदार मेजर राजेंद्र कुमार ने बताया कि यह परीक्षा कैडेट्स के व्यक्तित्व विकास और अनुशासन के लिए महत्वपूर्ण है। एनसीसी ऑफिसर आशीष भारतीय के अनुसार, इस तरह की परीक्षाएं युवाओं को आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करती हैं। सफल कैडेट्स को ए सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा, जो उन्हें आगे की एनसीसी ट्रेनिंग और रक्षा सेवाओं में करियर के लिए प्रेरित करेगा।

अप्रैल में होगा हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष का चुनाव

- नवीन सदस्यता कार्यक्रम की अवधि में की गई 30 जनवरी तक की वृद्धि

भोपाल (नप्र)। भोपाल में हिंदू उत्सव समिति की कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक श्री राम मंदिर गुरूबक्स की तलैया में आयोजित की गई। बैठक में समिति के अध्यक्ष पद के लिए अप्रैल 2025 में चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही, नई सदस्यता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 30 जनवरी 2025 कर दिया गया है। समिति के महामंत्री शरण खटीक ने बताया कि संतोष साहू की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में संविधान संशोधन से जुड़े 5 महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। हालांकि, इन विषयों को साधारण सभा में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया, क्योंकि ये मुद्दे साधारण सभा के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। बैठक में समिति के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे, जिनमें नारायण सिंह कुशवाह, पंडित ईशदयाल शर्मा, एडवोकेट संजय गुप्ता, कैलाश साहू, देवेंद्र बना, खेमचंद राठौर, सुरेश साहू और महेंद्र सिंह ठाकुर प्रमुख थे। समिति के वर्तमान अध्यक्ष ने चुनाव की घोषणा करते हुए संगठन के भविष्य की रूपरेखा पर भी चर्चा की।

प्रेम प्रसंग : भाई को देखा नहीं गया था और बहन को मारी थीं 3 गोलियां

पिता ने चेहरे पर किया था फायर

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में प्रेम प्रसंग की वजह से बेटी की हत्या करने वाले पिता और चचेरे भाई को जेल भेज दिया गया है। माना जा रहा था कि 20 वर्षीय तनु को सबसे पहले गोली पिता महेश गुर्जर ने ही मारी है। लेकिन पुलिस की जांच में सामने आया है कि पहले गोली पिता ने नहीं, उसके चचेरे भाई राहुल गुर्जर ने मारी थी। राहुल की पिस्टल से तीन गोलियां मारी गईं। तीनों तनु के सीने पर लगी थीं। आखिरी गोली महेश ने कट्टे से चलाई, जो तनु के चेहरे पर लगी थी। हत्या की वजह 6 साल पहले शुरू हुई प्रेम कहानी है। तनु की मुलाकात आगरा के विक्की से एक शादी समारोह में हुई थी। विक्की की बहन तनु के पड़ोस में ब्याही थी। इसी वजह से उसका ग्वालियर आना-जाना होता था। दोस्ती के बाद दोनों में प्रेम संबंध पनप गए। उन्होंने शादी करने की ठान ली थी। तनु और विक्की एक ही समाज के थे। इसी वजह से तनु के पिता महेश गुर्जर रिश्ता जोड़ने के लिए तैयार हो गए। लेकिन कुछ रिश्तेदारों के भड़काने के बाद उन्होंने इनकार कर दिया। उन्होंने तनु का रिश्ता कहीं और तय कर दिया। शादी की तारीख भी फिक्स हो गई थी। तनु ने इसका विरोध किया तो पिता और चचेरे भाई ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी।

तीन नए आपराधिक कानून वर्तमान समय की आवश्यकता और चुनौतियों के अनुरूप : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- देश में लागू होने के साथ ही जुलाई 2024 से प्रदेश में क्रियान्वित हैं नए कानून

भारतीय न्याय प्रणाली को औपनिवेशिक मानसिकता से निकालकर अधिक लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है उनका क्रियान्वयन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन एवं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की प्रतिबद्धता के परिणाम स्वरूप देश में तीन नए आपराधिक कानूनों का क्रियान्वयन जा रहा है। वर्तमान समय की आवश्यकता और चुनौतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए यह कानून, भारतीय न्याय प्रणाली को औपनिवेशिक मानसिकता से निकालकर अधिक लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। राज्य सरकार इन कानूनों को प्रदेश में शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। देश में जुलाई 2024 से नए कानूनों का क्रियान्वयन आरंभ हुआ। यह कानून, क्रियान्वयन के साथ ही प्रदेश में प्रभावी हों, इस उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा आवश्यक गतिविधियों का संचालन पहले से ही आरंभ कर दिया गया था। जन-जन को नए कानूनों की जानकारी देने और थाना स्तर तक उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए पांच आयामी रणनीति पर कार्य किया गया। जन-जागरूकता, प्रशिक्षण, व्यवस्था और तकनीकी उन्नयन, उपकरण और भौतिक संसाधन, नवीन पदों का सृजन और राज्य स्तर से नियम और अधिसूचनाएं जारी करने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से उनकी प्रगति सुनिश्चित की गई। केन्द्र सरकार ने तीनों नए आपराधिक कानूनों, क्रमशः भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार की सराहना की है।

पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों के वार्षिक कोर्स कैलेंडर में शामिल किया गया है नए कानूनों पर प्रशिक्षण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जन-सामान्य को राहत पहुंचाना, नए कानून लागू करने का मुख्य उद्देश्य है। अतः जन-सामान्य में कानून के प्रति जागरूकता के लिए पोस्टर प्रदर्शनी, ग्रुप डिस्कशन और लघु फिल्मों के माध्यम से विशेष अभियान चलाया गया। इसके साथ ही पुलिस, अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। अब तक 87 हजार से अधिक को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। प्रदेश की सभी पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों के वार्षिक कोर्स कैलेंडर में भी प्रशिक्षण को सम्मिलित किया गया है।

नए कानूनों में साइबर अपराध, डाटा चोरी और डिजिटल धोखाधड़ी जैसे अपराधों के लिए हैं प्रभावी प्रावधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नए कानूनों में साइबर अपराध, डाटा चोरी और डिजिटल धोखाधड़ी जैसे नए युग के अपराधों को परिभाषित करते हुए उनके लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। यह कानून, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले मामलों की त्वरित सुनवाई और सख्त दंड सुनिश्चित करते हैं, इनमें बलात्कार जैसे अपराधों के लिए समयबद्ध जांच और सुनवाई के प्रावधान जोड़े गए हैं। नए कानूनों के माध्यम से डिजिटल तकनीक और प्रक्रियाओं के सरलीकरण के जरिए मामलों को तेजी से निपटाने का भी प्रयास किया गया है। वास्तविकता है कि पुराने कानून जटिल थे और जनता के लिए समझने में भी कठिन थे, परिणामस्वरुप न्याय प्रक्रिया लंबी हो जाती थी और पीड़ितों को समय पर न्याय नहीं मिल पाता था।

ई-एफ.आई.आर की सुविधा आमजन के लिए वरदान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जुलाई से दिसंबर 2024 के अंत तक एक लाख 40 हजार 235 प्रथम सूचना पंजीबद्ध की गई, 4110 प्रथम सूचना शून्य पर दर्ज हुई और 6577 ई-एफ.आई.आर. दर्ज हुई। नए कानूनों में की गई ई-एफ.आई.आर की सुविधा वर्तमान तकनीकी युग में आमजन के लिए वरदान है। व्यक्ति घर बैठे ही अपनी शिकायत पुलिस को लिखा सकते हैं। ई-सम्मन की व्यवस्था देश में लागू करने में मध्यप्रदेश अग्रणी रहा है। प्रदेश में यह व्यवस्था गत चार वर्ष से जारी है। कार्यकुशलता बढ़ने के साथ ही पुलिस कर्मियों के समय की भी बचत हो रही है। जुलाई 2024 से दिसम्बर 2024 के बीच कुल प्राप्त 5 लाख 73 हजार 776 सम्मन में से 3 लाख 40 हजार सम्मन की तामिली ऑनलाईन वॉट्स ऐप तथा ई-रक्षक के माध्यम से की गई। प्रदेश में क्रियान्वित एम.पी ई-रक्षक ऐप अपराधियों की जानकारी रखने, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित करने, वाहन सर्च और ऑनलाईन सम्मन तामीली में सहायक है।

भोपाल में हुआ ई-साक्ष्य ऐप विकसित: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ई-साक्ष्य ऐप का निर्माण भोपाल स्थित सेंट्रल एकेडमी फॉर पुलिस ट्रेनिंग में ही हुआ और उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर दिल्ली पुलिस में इसका पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया। अब यह पूरे भारत में एन.आई.सी. के, ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से लागू हो रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल में बन रहे नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी कैंपस के माध्यम से विधि विज्ञान और फोरेंसिक में प्रशिक्षित विद्यार्थियों का नवीन कानूनों के क्रियान्वयन में उपयोग करने में मदद मिलेगी।

नए कानून जनता की भागीदारी और उनके अधिकारों को देते हैं प्राथमिकता: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नए कानूनों के प्रभावी रूप से क्रियान्वयन के लिए सम्पूर्ण व्यवस्था को तकनीकी रूप से उन्नत करने और अद्यतन उपकरण एवं संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य जारी है। पुलिस बल को टेबलेट उपलब्ध कराए जा रह हैं। थानों सहित संपूर्ण पुलिस इकाइयों की कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के अद्यतन तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रदेश के सभी जेलों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा और क्यूबिकल उपलब्ध कराए गए हैं। ई-प्रिज़न डाटा, ई-प्रोसिक्यूशन, सात विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं, पाँच डीएनए प्रयोगशालाओं, प्रशिक्षित विधि विज्ञान वैज्ञानिकों व अन्य तकनीकी सहायकों के माध्यम से नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य जारी है। नए कानून जनता की भागीदारी और उनके अधिकारों को प्राथमिकता देते हैं। इनमें अपराधी के सुधार और पुनर्वास पर भी ध्यान दिया गया है।

भोपाल में सब्जी वाले का बेटा बना असिस्टेंट डायरेक्टर

रमशा अंसारी का डीएसपी पद पर सिलेक्शन, कहा- रोज 12 घंटे करती थी पढ़ाई

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने शनिवार को राज्य सेवा परीक्षा 2022 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। राज्य सेवा परीक्षा का विज्ञापन 30 दिसंबर 2022 को प्रकाशित किया गया था। इसमें 456 पदों के लिए भर्ती निकाली गई थी। इसकी प्रारंभिक परीक्षा 12 जुलाई 2023 को आयोजित की गई थी। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा का आयोजन 8 जनवरी 2024 से 12 जनवरी 2024 के बीच हुआ था। इसके परिणाम 7 जून 2024 को घोषित हुए थे। इसके बाद आवेदकों के साक्षात्कार 11 नवंबर 2024 से 9 जनवरी 2025 के बीच लिए गए थे। चयनित उम्मीदवारों की लिस्ट 18 जनवरी 2025 को जारी की गई है। शेष 13 प्रतिशत का रिजल्ट शेष है।

सब्जी वाले का बेटा बना असिस्टेंट डायरेक्टर: आशीष सिंह चौहान ने 841 अंक हासिल कर शिक्षा विभाग में असिस्टेंट डायरेक्टर का पद हासिल किया है। आशीष बताया कि, मैं इस सफलता का श्रेया अपने माता-पिता, परिवार वालों के साथ गुरुओं को देना चाहूंगा। मेरी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, मैंने बैरागढ़ के शासकीय स्कूल से पढ़ाई की है। इसके बाद मैंने हमीदिया

कॉलेज से बीए, एमए किया है। मेरी आर्थिक स्थिति हमेशा से अच्छी नहीं थी, हम बैरागढ़ में किराये के मकान में रहते थे। मेरे पिता अजब सिंह सब्जी का ठेला लगाते हैं, कभी कभी फेरी का भी काम करते हैं, परिवार में बड़े भैया साड़ी की दुकान पर बैठते हैं। मेरी मां संगीता चौहान एक गृहणी हैं। फिलहाल में इन दिनों इंदौर से पीएचडी कर रहा हूं।

मैं रोज 8 से 10 घंटे करता था पढ़ाई: आशीष ने बताया कि, मैं रोज 8 से 10 घंटे तक पढ़ाई करता था। एग्जाम के दौरान कभी टाइम देखकर पढ़ाई नहीं की। फैमिली ने मेरा बहुत सपोर्ट किया है। हम करीब 12 साल से किराये के मकान में रह रहे हैं। फिर भी भाई और पिताजी ने कभी नहीं कहा कि, तुम्हें हमारा हाथ बंटाना है। वह हमेशा मेरी पढ़ाई को लेकर सपोर्ट करते थे, वह हमेशा मुझे प्रेरित भी करते रहे, आज यह रिजल्ट में अपने परिवार और अपने गुरुओं की वजह से ही हासिल कर सका हूं।

रमशा अंसारी का डीएसपी पर सिलेक्शन: भोपाल की रमशा अंसारी ने एक्सीलेंस कॉलेज से बीए इकोनॉमिक्स ऑनर्स से ग्रेजुएशन किया है। रमशा अंसारी अब डीएसपी बनने जा रही हैं। रमशा ने एमपीपीएससी के इस एग्जाम में 878 अंक हासिल किए हैं। इनके पिता मोहम्मद अंसारी कृषि विभाग में यूडीसी, मां संजीदा अंसारी हाउस वाइफ हैं। तीसरी बार में उन्हें यह सफलता मिली है।

रमशा ने बताया कि, हमेशा ही चुनौतियों के लिए वह तैयार थीं। रमशा डिप्टी कलेक्टर में भी फर्स्ट वेटिंग रही है। रमशा ने बताया कि, मेरा सक्सेस का फॉर्मूला यही रहा कि, मैं हमेशा मेंटली, फिजिकली दोनों तौर पर हर तरह के चैलेंजेज के लिए तैयार रही। मैं हमेशा से ही रियलिटी को एक्सपेट करती हूं। मैं रोजाना 11 से 12 घंटे पढ़ाई करती थी। परिवार ने बहुत सपोर्ट किया। परिवार वाले हमेशा पढ़ाई को लेकर मोटिवेट करते थे।

भोपाल में क्लेट की तैयारी कर रही छात्रा से रेप

- फ्रेंड ने जबरदस्ती शराब पिलाकर होटल में किया दुष्कर्म, मिलने के लिए बुलाया था

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मिसरोद इलाके में क्लेट की तैयारी कर रही छात्रा को उसके ही दोस्त ने जबरदस्ती शराब पिलाकर होटल में रेप किया। शनिवार की देर रात पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। टीआई मनीष राज सिंह भदौरिया के मुताबिक, यूपी की रहने वाली युवती भोपाल में रहकर क्लेट की तैयारी कर रही है। शुक्रवार की शाम उसका कोलार में रहने वाला दोस्त कुलदीप उससे मिलने के लिए आया था। आरोपी युवक उसे घुमाने के बाद होटल में ले गया और वहां उसे जबरदस्ती शराब पिलाई।

फ्रेंड ने नशे की हालत में किया दुष्कर्म: नशे की हालत में उसके साथ दुष्कर्म। सुबह होने पर जब पीड़िता को होश आया तो उसे खुद के साथ घटना का पता चला। इसके बाद वह सीधे थाने पहुंची और पूरा घटनाक्रम पुलिस को बताया। पुलिस ने युवती के बयानों के आधार पर शनिवार की रात एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि, जल्द ही आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

भोपाल में अतिथि शिक्षकों का आंदोलन शुरू

अंबेडकर मैदान में ज्यादा शिक्षक नहीं पहुंचे; शिक्षक भर्ती 2023 में आरक्षण की मांग

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के अतिथि शिक्षक और उनके संगठन रविवार को भोपाल के अंबेडकर मैदान में आंदोलन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि उच्च माध्यमिक शिक्षक के शेष पदों पर 50 प्रतिशत आरक्षण और काउंसलिंग सुनिश्चित की जाए।संघ के महामंत्री अरुण गिरी ने बताया कि इस आंदोलन में अन्य संगठन भी शामिल हो रहे हैं। आज सुबह 10:00 बजे शुरू हुआ आंदोलन, 1 बजे तक कम शिक्षकों की उपस्थिति के साथ चल रहा है। आयोजकों का कहना है कि और शिक्षक जुड़ेंगे और आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन के बीच जबलपुर से अतिथि शिक्षक मंच के संभाग अध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी मंच पर गर्मी की वजह से बेहोश हो गए। प्रदर्शन से पहले निकली रूल बुक,इसलिए यहां नहीं आए ज्यादा शिक्षक प्रदर्शन में शामिल हुए

अतिथि शिक्षकों ने बताया कि सरकार की रूल बुक हमारे प्रदर्शन से 2 दिन पहले निकल गई है, इसके कारण हमारे अन्य आने वाले शिक्षकों पर इसका असर पड़ा है। वह इस कारण यहां नहीं आए। रूल बुक में आरक्षण की तो बात की गई है मगर बोनस अंकों की बात नहीं की गई। इस कारण 15-16 साल से पढ़ रहे अतिथि शिक्षक इसमें बाहर हो गए। इनकी प्रदेश भर में करीब 15 से 18000 के बीच संख्या है। अतिथि शिक्षकों ने सरकार द्वारा जारी राज्य पत्र (रूल बुक) को नई व्यवस्था के प्रतीक के रूप में अंबेडकर मैदान के अंदर जलाया। पुलिस से काफी चर्चा करने के बाद इन्होंने यह राजपत्र अंबेडकर ग्राउंड के अंदर जलाया। इसके बाद अतिथि शिक्षकों का एक दल मुख्यमंत्री निवास पर जाएगा।

120 स्कूली बच्चों ने सीखा प्रकृति का महत्व

- समर्धा वन क्षेत्र में जल, जंगल और जमीन की जानकारी, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

भोपाल (नप्र)। भोपाल में अनुभूति 2025 कार्यक्रम के तहत एक अनूठी पहल की गई, जहां 120 स्कूली छात्रों को समरधा वन परिक्षेत्र में प्रकृति से रूबरू कराया गया।

शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने जल, जंगल और जमीन की प्राकृतिक संरचना को करीब से देखा और समझा। साथ ही सभी बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। एसडीओ धीरज सिंह चौहान ने कार्यक्रम के महत्व को समझाते हुए कहा कि आधुनिक युग में बच्चे प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब तक बच्चे प्रकृति को समझेंगे नहीं, तब तक वे इसकी रक्षा के लिए प्रेरित नहीं होंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को न केवल पर्यावरण की जानकारी

देना था, बल्कि उन्हें इससे जुड़ी चुनौतियों से भी अवगत कराना था।

समरधा रेंज के रेंजर शिवपाल पिपर्दे ने बच्चों को प्रकृति के महत्व और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया। विशेष प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को यह भी समझाया गया कि कैसे आधुनिकता ने हमारे जीवन में पर्यावरण से जुड़ी समस्याएं पैदा की हैं और इनसे निपटने के लिए क्या किया जा सकता है।

भोपाल में खाद्य अधिकारियों से अभद्रता, गालियां दीं

गैस एजेंसी संचालक और बेटे पर केस; थाने में भी जमकर हुई बहस

भोपाल (नप्र)। भोपाल में खाद्य विभाग के अधिकारियों से अभद्रता और गाली-गलौच करने का मामला सामने आया है। अधिकारी गैस एजेंसी पर जांच करने पहुंचे थे। इसी दौरान नाराज एजेंसी संचालक और उसके बेटे ने धक्का-मुक्की भी की।

मामले में कोहेफिजा थाना पुलिस ने सहायक आपूर्ति अधिकारी अशोक कुमार सत्यार्थी की रिपोर्ट पर प्रियंका इंडेन गैस एजेंसी के संचालक और उसके बेटे के विरुद्ध शासकीय कार्य में बाधा, गाली-गलौच और धमकाने का केस दर्ज किया है। थाने में कार्रवाई के दौरान संचालक की अधिकारियों से भी जमकर बहस हुई। इसमें रुपए लेन-देन तक की बात सामने आई।

ग्राहकों को सिलेंडर नहीं मिल रहे थे, शिकायत पर पहुंचे थे सहायक आपूर्ति

अधिकारी सत्यार्थी ने बताया- शनिवार की शाम को शिकायत मिली थी कि प्रियंका गैस एजेंसी पर ग्राहकों को सिलेंडर की डिलेवरी 8-10 दिन से नहीं हुई है। इस पर मैं और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पुष्पराज पाटिल एजेंसी पर पहुंचे। जहां पहले से 10-11 ग्राहक खड़े थे। इनमें तीन महिलाएं भी थीं। जिनसे बयान लिए गए।

इसी दौरान एजेंसी का संचालक और उसका बेटा आया। जिन्होंने ग्राहकों को गाली-गलौच करके भगा दिया। वहीं, हमें जांच नहीं करने दी। इस दौरान मेरा हाथ पकड़कर एजेंसी के अंदर खींचा। दोनों मुझे कमरे में ले जाने लगे, लेकिन मैं बाहर निकल आया। वरना दोनों मेरे साथ कोई घटना भी कर सकते थे।

थाने में बहसबाजी का वीडियो

इसके बाद सत्यार्थी कोहेफिजा थाने पहुंचे। यहीं पर संचालक और उसका बेटा भी आ गया। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर बहसबाजी भी हुई। पुलिस ने मामले को शांत कराया।

संपादकीय

गाजा में शांति की उम्मीद !

कुछ समय पहले तक युद्धग्रस्त और भयंकर विध्वंस की केन्द्र बनी फिलीस्तीन की गाजा पट्टी में असंभव सा लगने वाला युद्ध विराम हो गया है। इससे गाजा में शांति की उम्मीदें बढ़ गई हैं, लेकिन वहां लंबे समय तक शांति रहेगी, इसको लेकर सभी के मन में संदेह है। दरअसल इजराइल और हमास के बीच समझौते की कोशिशें परदे के पीछे से काफी समय से चल रही थीं। खासकर इजराइल और हिजबुल्ला के बीच एक माह पहले हुए युद्धविराम के बाद इसकी संभावना तेजी से जताई जा रही थी। इस युद्धविराम में अमेरिका और कतर की खास भूमिका रही है। कतर में हमास का मुख्यालय भी है। इस समझौते के पीछे अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप का सत्तासीन होना भी माना जा रहा है। शुरू में इजराइल में इस समझौते का विरोध हुआ, लेकिन अब उसने भी हामी भर दी है। युद्ध विराम 1 मार्च तक के लिए लागू होगा। समझौते की शर्तों के मुताबिक युद्धविराम तीन चरणों में लागू होगा। पहले चरण के तहत इजराइल की जेलों में बंद फ़िलिस्तीनी कैदियों के बदले हमास के कब्ज़े में मौजूद इजराइली बंधकों को रिहा किया जाएगा। इसके बाद गाजा से इजराइली सेना धीरे-धीरे पीछे हटेगी। आखिरी चरण में ग़ाजा के पुनर्निर्माण का काम होगा। युद्धविराम 19 जनवरी से लागू हो गया है। इसके तहत हमास 33 इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। इसके बदले इजराइल रोजाना अपने एक बंधक के बदले 33 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा। हर एक इजराइली महिला सैनिक के बदले 50 फिलीस्तीनी बंदियों को रिहाई मिलेगी। साथ ही गाजा में रोजाना 600 ट्रकों से खाने-पीने का सामान भेजा जाएगा। गाजा में विनाश का यह दौर करीब सवा साल पहले आंतकी संगठन हमास द्वारा इजराइल पर किए गए अचानक हमलों में लगभग 12 इजराइली और विदेशी नागरिकों की हत्या के बाद शुरू हुआ। इजराइल ने हमास को जड़ से खत्म करने की कसम लेकर गाजा में जबर्दस्त हमले किए और गाजा पट्टी के अधिकांश हिस्से को तहस नहस कर दिया। हमास संगठन भी लगभग खात्मे की कगार पर जा पहुंचा है। इन हमलों में लगभग 50 हजार फिलीस्तीनी अब तक मारे जा चुके हैं। हालांकि इस लड़ाई में इजराइल को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

इस युद्ध विराम के बाद भी कई सवाल अभी बाकी हैं। पहला तो यह कि क्या गाजा में युद्ध हमेशा के लिए खत्म होगा या फिर यह केवल इंटरवल है। यह मान लेना कि इस युद्ध विराम से फिलिस्तीन समस्या के हल होने में मदद मिलेगी, जल्दबाजी होगी। क्योंकि फिलिस्तीन की समस्या अब केवल फिलिस्तीनियों तक सीमित नहीं है। गाजा अब अमेरिका और रूस जैसी महाशक्तियों के शक्ति परीक्षण का अड्डा बन चुका है, जिसमे हमास के पीछे ईरान और रूस का हाथ है तो इजराइल को अमेरिका खुलकर समर्थन दे रहा है। अलबत्ता यह जरूर हो सकता है कि हमास और हिजबुल्ला से युद्धविराम के बाद इजराइल यमन में हूती विद्रोहियों के खात्मे पर ध्यान केन्द्रित करे। दूसरे, सवाल यह भी है कि अब गाजा पर किसका नियंत्रण होगा? हमास का, या फिर इजराइल का? क्या इजराइल उत्तरी गाजा पर अपना नियंत्रण छोड़ देगा? ऐसा हुआ तो उसके ग्रेटर इजराइल सपने का क्या होगा? तीसरे, हमास को हवा देने वाले ईरान की भूमिका क्या होगी? चौथे, लगभग पूरी तरह तहस नहस हो चुके गाजा में पुनर्निर्माण कौन और कब करेगा? इसके लिए पैसा कौन देगा? सीजफायर असफल रहा तो क्या स्थिति बनेगी? इन सवालों के जवाब मिलने अभी बाकी हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि फिलिस्तीनियों के हक के लिए लड़ने का दावा करने वाले हमास को गाजा में 50 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों को मरवाकर आखिर हासिल क्या हुआ?

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

भारत को विदेश नीति पुनर्गठित करने की जरूरत

बांग्लादेश के वर्तमान मुखिया श्री मुहम्मद यूनुस ने श्रीमती शेख हसीना को भारत से बांग्लादेश प्रत्यार्पण करने की प्रक्रिया शुरू की है। हालांकि जो संधियां अभी भारत-बांग्लादेश के बीच हैं, वे इस प्रत्यर्पण के लिए भारत को बाध्यकारी नहीं हैं, क्योंकि वर्तमान संधियों के अनुसार केवल अपराधियों का ही प्रत्यर्पण किये जाने की व्यवस्था है। परंतु प्रत्यर्पण की यह मांग बांग्लादेश और भारत के बीच एक नये तनाव का कारण तो बनेगा। बांग्लादेश में श्रीमती हसीना के विरुद्ध कई आपराधिक प्रकरण गंभीर धाराओं में दर्ज किए गए हैं जिन्हें बांग्लादेश तर्क के रूप में प्रस्तुत करेगा।

पिछले कुछ दिनों से भारत के पूर्वी और पश्चिमी सीमावर्ती देशों में जो घटनाएं घट रही हैं वे भारत सरकार के लिए विचारणीय हैं, चिंताजनक हैं और कुछ अवसर भी। पूर्वी सीमा से सटे हुए बांग्लादेश में एक प्रकार की अराजकता की स्थिति निर्मित हुई है। यद्यपि मुहम्मद यूनुस को वहां कार्यवाहक मुखिया के तौर पर भेजा गया है। परंतु जो घटनाक्रम घट रहे हैं उससे लगता है कि उनका कोई नियंत्रण नहीं है। सत्ता प्रतिष्ठान पर केवल सेना का नियंत्रण है और एक अर्थ में सेना ही सरकार चला रही है। जमीनी स्तर पर पहले तो जिया-उर-रहमान की पार्टी जिसका नेतृत्व खालिदा जिया कर रही हैं, कुछ प्रभावी नजर आती थीं। श्रीमती हसीना के सत्ता परिवर्तन के बाद तथा श्रीमती खालिदा जिया के देश वापस आने के बाद ऐसा लग रहा था जैसे वे ही बांग्लादेश की शासक बनेंगी। उनकी पार्टी बीएनपी की कुछ हलचलें तेज हुई थीं। परंतु अब यह स्पष्ट हो रहा है कि उनकी पार्टी के नियंत्रण में भी कुछ ज्यादा शेष नहीं बचा है। फिर कुछ छात्र नेताओं के नाम सामने आये जिन्होंने श्रीमती शेख हसीना की सत्ता को हटाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। ऐसा माना जाने लगा था कि छात्र नेता यूनुस की सत्ता में प्रमुख भागीदार और हस्तक्षेपकर्ता होंगे। परंतु अब फिर सेना की ओर से एक नयी पहल शुरू हुई है। अब सेना ने छात्रों की एक नयी पार्टी बनवाने की पहल शुरू की है। यानी, शेख हसीना और खालिदा जिया इन दोनों की स्थापित पार्टियों से हटकर एक तीसरी पार्टी की शुरुआत की तैयारी है जो सीधे सेना के नियंत्रण में होगी। एक अर्थ में यह बांग्लादेश की सत्ता के सैन्य अधिग्रहण का ही प्रयोग लगता है। जो अंतरराष्ट्रीय शक्तियां बांग्लादेश के विद्रोह व परिवर्तन के पीछे हैं और जिनके नियंत्रण में बांग्लादेश की सेना है, अब वे अपनी सुविधा अनुसार बांग्लादेश में सत्ता के प्रयोग कर रही हैं। एक नयी घटना हाल में हुई है। वह भारत के लिए चिंताजनक है। पिछले लगभग बावन वर्षों से, यानी मुजीबुर्रहमान के उदय और बांग्लादेश के पृथक देश के रूप में निर्माण के बाद से बांग्लादेश और पाकिस्तान के संबंध लगभग टूटे हुए थे। परंतु अचानक बांग्लादेश के वर्तमान सेनापति ने बांग्लादेश की सेना के प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों को बुलाया है तथा, बांग्लादेश के जो न्यायाधीश भारत संपर्क संवाद के लिए आने वाले थे उनकी यात्रा रद्द कर दी गई है। कहीं यह सैन्य प्रशिक्षण किसी नये मजहबी या राजनीतिक ध्रुवीकरण की शुरुआत तो नहीं है? यह भारत के लिए भी चिंता का विषय है।

बांग्लादेश के वर्तमान मुखिया श्री मुहम्मद यूनुस ने श्रीमती शेख हसीना को भारत से बांग्लादेश प्रत्यार्पण करने की प्रक्रिया शुरू की है। हालांकि जो संधियां अभी भारत-बांग्लादेश के बीच हैं, वे इस प्रत्यार्पण के लिए भारत को बाध्यकारी नहीं हैं, क्योंकि वर्तमान संधियों के अनुसार केवल अपराधियों का ही प्रत्यार्पण किये जाने की व्यवस्था है। परंतु प्रत्यार्पण की यह मांग बांग्लादेश और भारत के बीच एक नये तनाव का कारण तो बनेगा। बांग्लादेश में श्रीमती हसीना के विरुद्ध कई आपराधिक प्रकरण गंभीर धाराओं में दर्ज किए गए हैं जिन्हें बांग्लादेश तर्क के रूप में प्रस्तुत करेगा।

परेश बरूआ को मृत्युदंड की सजा बांग्लादेश के कोर्ट ने दी थी। वह भारत के एक हिस्से में सशस्त्र विद्रोह और अलगाव के लिए आंदोलन के मुखिया थे। उनके मृत्युदंड पर अचानक बांग्लादेश के उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी है। यह केवल न्यायिक निर्णय है या इसके पीछे कोई राजनीतिक कारण हैं, यह कहना अभी कठिन है। अगर परेश बरूआ की रिहाई देर-सवेर होती है तो वह भारत के लिए परेशानी का कारण होगा।

पाकिस्तान भी अपने आंतरिक संघर्षों और अपने पुराने कार्यों के परिणामों को भोगने के लिए अभिशप्त है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान व पख्तूनिस्तान में अलगाव की मांग दिन-ब-दिन तेज हो रही है। बलूचिस्तान तो एक प्रकार से आग के मुहाने पर है। पाकिस्तान अपनी सेना की ताकत से कितने दिन नियंत्रण रख पायेगा यह कहना कठिन है क्योंकि अब पाकिस्तान व अफगानिस्तान के संबंध भी बिगड़े हैं। तालिबानों को पहले पाकिस्तान ने ही शरण दी थी। अब वह भी पाकिस्तान के लिए बड़ी समस्या बन गया है। तालिबानों की संख्या लाख से ऊपर है और जो लगभग विद्रोह पर हैं, पाकिस्तान उन्हें निकालना चाहता हैं। क्योंकि वे लोग अब पाकिस्तान की कट्टरपंथी ताकतों के साथ गठजोड़ कर पाकिस्तानी हुकूमत के लिए खतरा बन रहे हैं। अफगानिस्तान की ओर से भी तालिबानों के लड़ाके पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने उत्तर पश्चिमी इलाकों को घेर लिया है। लगभग पंद्रह हजार तालिबानी लड़ाकों ने पाकिस्तान की सीमा पर पाक की चार फौजी चौकियों पर कब्जा कर लिया है। तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) को पाकिस्तान आतंकी संगठन कहता है। वह भी अफगान तालिबानों से मिलकर लड़ रहे हैं। अफगानिस्तान के तालिबानी विदेश मंत्री ने घोषणा की है कि पाकिस्तान ने उसके इलाके में घुसकर एयर-स्ट्राइक की है। अतरू उसका उत्तर दिया जाएगा। ब्रिटिशर ने दोनों देशों के बीच जो डूरंड रेखा खींची थी अफगानिस्तान ने उसे मानने से इंकार कर दिया है। वर्तमान पाकिस्तान के कई इलाकों को तालिबानी अफगानी इलाका कह रहे हैं। कुल मिलाकर पाकिस्तान अपने अंतर्विद्रोह व अफगानी आक्रमण से जूझ रहा है। उनके देश में भी शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री तो हैं परन्तु वहां सैन्य हस्तक्षेप प्रमुख है। वहां के दलों में इतनी कटुता है कि वे एक दूसरे को जेल में ठूंस देना चाहते हैं या मार देना चाहते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में हैं। उनकी पार्टी के प्रदर्शन व घेराव को सेना ने बंदूक के दम पर मौन कर दिया है। पाक अधिकृत कश्मीर में भी पाकिस्तानी शासकों के प्रति बहुत विरोध है। क्यों वे भेदभाव के शिकार हैं तथा बुनियादी सुविधाओं से भी मरहूम (वंचित) हैं।

बांग्लादेश में जो भारत-विरोधी वातावरण बनाया जा रहा है वह भी चरम पर है। बांग्लादेश ने सोलह दिसंबर को विजय दिवस पर भारत-विरोधी नारे लगाये। ऐसी तकरीरें हुई जैसे बांग्लादेश का सबसे बड़ा दुश्मन भारत ही है। बांग्लादेश के निर्माणकर्ता व शेख हसीना के पिता पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान को जिन्हें 'फादर आफ बांग्लादेश' कहा जाता रहा है, अब उन्हें पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाता रहा, अब हटाया जा रहा है। पाठ्यक्रम में यह छापा जा रहा है कि आजादी जिया-उर-रहमान ने दिलाई थी। कट्टरपंथ बांग्लादेश में चरम पर है। हिन्दुओं के मंदिर तोड़े जा रहे हैं। वहां की न्यायपालिका भी अपने आदेशों का पालन कराने में सक्षम नहीं है। बांग्लादेश के शीर्ष न्यायालय ने निर्णय दिया था कि इस्कॉन पर प्रतिबंध न लगाया जाये और मंदिर न तोड़े जायें। परंतु सेना और वर्तमान सत्ता के लिए इन आदेशों का कोई मतलब नहीं है।

इन परिस्थितियों में भारत को अपनी विदेश नीति को पुनर्गठित करने की जरूरत है। यह उचित समय है भारत अपने अविभाज्य अंग पाक-अधिकृत कश्मीर को वापस लेने की पहल करे। इस समय भारत को इसमें सफलता मिल सकती है, तथा दूसरी तरफ पाकिस्तान के अंदर विद्रोह इससे बढ़ सकता है। पाकिस्तान बांग्लादेश की बढ़ती नजदीकियां व सैन्य-समझौते थम सकते हैं। अगर इस दबाव में पाकिस्तान भारत के साथ महासंघ बनाने के लिए तैयार हो तो इस पहल पर भी भारत को विचार करना चाहिए। फिर इसे बांग्लादेश की ओर भी ले जाने का विचार करना चाहिए ताकि भारत-बांग्लादेश का संयुक्त महासंघ बन सके।

अगर कभी डॉ. लोहिया के प्रस्तावित भारत-पाक महासंघ का यह स्वरूप जमीन पर उतर सका तो फिर से एक बार आजादी के पहले का भारत एक शक्ति, एकजुटता व एक रूप में दुनिया के सामने समर्थ होकर खड़ा हो सकेगा। अगर कभी बलूचिस्तान व पख्तूनिस्तान, पाकिस्तान से अलग होंगे तो वे भी इस महासंघ में शामिल हो सकेंगे। यह उनकी भी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होगा। पर यह सब भारत की कूटनीति पर निर्भर होगा।आज अगर भारत सरकार की छवि देश व दुनिया में मुस्लिम विरोधी नहीं होती तो शायद यह और भी आसान होता। तब कश्मीर पी.ओ.के. आदि को जनता का व्यापक समर्थन भी भारत सरकार के प्रयासों को मिलना आसान होता। बहरहाल यह उपयुक्त समय है जब भारत कुछ नया कर सकता है।

आर्थिकी

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

लेखक प्रोफेसर हैं।

आठवां वेतन आयोग कर्मचारियों का स्वर्णिम युग

भारत में केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के कल्याण हेतु वेतन आयोगों की परंपरा प्रशासनिक व्यवस्था की एक सशक्त नींव रही है। इन आयोगों का प्रमुख उद्देश्य कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन और भत्तों की संरचना को बदलती आर्थिक परिस्थितियों, महंगाई और जीवन की नई अपेक्षाओं के अनुरूप सुसंगत बनाना है। 1956 में पहले वेतन आयोग की स्थापना से लेकर अब तक सात आयोगों ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के जीवन में उल्लेखनीय सुधार लाने हेतु कई ऐतिहासिक सिफारिशें की हैं। आठवां वेतन आयोग इस गौरवशाली परंपरा को नई ऊंचाई प्रदान करने का माध्यम बन रहा है। इसका उद्देश्य न केवल कर्मचारियों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करना है, बल्कि उनके जीवनस्तर को और अधिक गरिमापूर्ण बनाना भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की भलाई को सदैव प्राथमिकता दी है। यह आयोग अपनी सिफारिशों के माध्यम से वेतन और भत्तों में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ कर्मचारियों के जीवन को समृद्ध बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी और क्रांतिकारी प्रयास है।

आठवें वेतन आयोग से यह अपेक्षा की जा रही है कि यह केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में 20-30 प्रतिशत तक की प्रभावशाली वृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा। महंगाई भत्ता, परिवहन भत्ता और आवास भत्ता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में व्यापक सुधार की संभावनाएं भी इस आयोग से जुड़ी हुई हैं। इन भत्तों में वृद्धि न केवल कर्मचारियों के दैनिक खर्चों का बोझ कम करेगी, बल्कि उनके जीवनस्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। इससे कर्मचारियों का मनोबल सुदृढ़ होगा, और वे अपने कार्यक्षेत्र में अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ योगदान कर सकेंगे। यह आयोग पेंशनभोगियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। वृद्धावस्था में बढ़ती चिकित्सा आवश्यकताओं और अन्य आर्थिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए पेंशन राशि में संभावित वृद्धि पेंशनभोगियों की आर्थिक सुरक्षा को सुनिश्चित करेगी। इसके साथ ही, पेंशन योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं में अपेक्षित सुधार से पेंशनभोगियों को न केवल आत्मनिर्भरता का अनुभव होगा, बल्कि उन्हें गरिमापूर्ण और सुखमय जीवन जीने का अवसर भी प्राप्त होगा।

वेतन आयोग का प्रभाव केवल कर्मचारियों और पेंशनभोगियों तक सीमित नहीं है; यह समग्र राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के प्रवाह को भी गहराई से प्रभावित करता है। जब सरकारी कर्मचारियों की क्रय शक्ति में वृद्धि होती है, तो उनका उपभोक्ता खर्च बढ़ता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। इसके परिणामस्वरूप रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल, खुदरा व्यापार, और तकनीकी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में मांग का तेजी से विस्तार होता है, जो इन उद्योगों को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाता है। उपभोक्ता मांग में यह वृद्धि उत्पादन में तेज़ी और रोजगार के नए अवसरों का सृजन करती है, जिससे राष्ट्र की आर्थिक प्रगति को नया बल मिलता है। जब कर्मचारियों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ होती है, तो उनके आत्मविश्वास में भी जबरदस्त इज़ाफा होता है। इसका प्रभाव न केवल उनकी व्यक्तिगत समृद्धि पर पड़ता है, बल्कि यह पूरे राष्ट्र की आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई योजनाएं, जैसे 'डिजिटल इंडिया,' 'आत्मनिर्भर भारत,' और 'स्किल इंडिया,' ने कर्मचारियों को तकनीकी रूप से सक्षम और बहुमुखी कौशल से सशक्त बनाने में क्रांतिकारी भूमिका निभाई है। इन पहलों ने कर्मचारियों के कार्य प्रदर्शन को आधुनिक युग की चुनौतियों के लिए तैयार किया है, जिससे उनकी दक्षता और प्रेरणा को नई दिशा मिली है। इन योजनाओं का समन्वय वेतन आयोग के सुधारों के साथ मिलकर न केवल कर्मचारियों को अधिक उत्पादक और सक्षम बनाएगा, बल्कि उनकी कार्यक्षमता में भी अभूतपूर्व सुधार लाएगा। यह समग्र रूप से एक ऐसी स्थिति का निर्माण करेगा, जो न केवल व्यक्तिगत और औद्योगिक प्रगति को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि भारत को आर्थिक शक्ति के नए शिखर पर स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगी।

यद्यपि वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने से आरंभ में सरकार के खजाने पर कुछ दबाव पड़ सकता है, लेकिन इसके दीर्घकालिक परिणाम राष्ट्र की आर्थिक बुनियाद को सुदृढ़ करने वाले सिद्ध होंगे। जब कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की वित्तीय स्थिति सशक्त होती है, तो उनका आत्मविश्वास नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है। यह आत्मविश्वास न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन में ऊर्जा का संचार करता है, बल्कि उनकी सेवाओं में समर्पण, निष्ठा, और कार्यकुशलता को भी बढ़ाता है। इसका सकारात्मक प्रभाव प्रशासनिक तंत्र की दक्षता पर पड़ता है, जो देश के समग्र विकास की रफ्तार को तीव्र करता है। आठवां वेतन आयोग कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के जीवन में बदलाव लाने के साथ उनकी प्रेरणा, संतोष और आत्मसम्मान को बढ़ाने का भी प्रयास है। यह आयोग कर्मचारियों को उनकी जिम्मेदारियों को और अधिक प्रभावी ढंग से निभाने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे सरकारी प्रशासन की गुणवत्ता में सुधार होगा। इसके परिणामस्वरूप न केवल कार्य प्रदर्शन उत्कृष्ट होगा, बल्कि देश की प्रशासनिक प्रणाली अधिक संगठित और सक्षम बनेगी। आठवां वेतन आयोग केवल वेतनवृद्धि का प्रतीक नहीं है; यह एक ऐसा परिवर्तनकारी कदम है, जो कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को उनके जीवन के हर पहलू में नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल उनके कार्य और जीवन दोनों में संतुलन स्थापित कर, भारत की प्रगति को एक नई दिशा प्रदान करेगी।

आठवां वेतन आयोग केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के जीवन में एक नई सुबह का प्रतीक है। यह केवल वेतनवृद्धि का साधन मात्र नहीं है, बल्कि एक व्यापक पहल है जो कर्मचारियों को वित्तीय स्थिरता, सामाजिक गरिमा और मानसिक सशक्तिकरण प्रदान करने का संकल्प लिए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों ने इस आयोग को एक नई दृष्टि और दिशा प्रदान की है, जिससे यह भारत के समग्र विकास और सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण आधार बन गया है। इस आयोग की सिफारिशें कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के जीवनस्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी। यह पहल उनके जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मसम्मान का संचार करेगी, जो न केवल उनकी व्यक्तिगत समृद्धि का आधार बनेगी, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को भी एक नई मजबूती प्रदान करेगी। आठवां वेतन आयोग, एक दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ, न केवल कर्मचारियों के कल्याण का प्रतीक है, बल्कि यह भारत को एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरने का मार्ग प्रशस्त करने वाला एक प्रेरणादायक कदम है।

इलहाम- प्रेम, संवेदना के सिरे खोलती कहानी

सिनेमा

बिकास के. शर्मा

लेखक युवा पत्रकार हैं।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 'महाभारत' जैसे विषय पर अंग्रेज़ी में पीएचडी कर चुके एवं वर्तमान में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में पोस्ट-डॉक्टोरल अध्ययन कर रहे ध्रुव हर्ष मौजूदा समय के प्रतिभाशाली और संभावना वाले फिल्मकार हैं। उनकी पहली फीचर फिल्म 'इलहाम' का प्रदर्शन रायपुर में आयोजित जागरण फिल्म फेस्टिवल में किया गया। 'इलहाम' एक गरीब मुस्लिम बुनकर परिवार के एक छोटे बच्चे फ़ैज़ान और उसके बकरे जिसका नाम डोडू है, उसके बीच एक दिलचस्प बंधन को मानवीय ढंग से दर्शाने वाली कहानी है। दरअसल, जब हम केवल देखने के खातिर कुछ देखते हैं तो वह भौतिक होता है जब कि देखना जब धीरे-धीरे आपके अंदर एक अंतर्दृष्टि पनपाना शुरू कर दे तो वह भाव और तर्क की एक समानांतर रेखा आपके अंतर्मन पर उकेरता है। इस रेखा पर चलकर ही एक दर्शक 'इलहाम' की यात्रा पूरी कर सकता हैं।

'इलहाम' का अर्थ है देववाणी जो इस फिल्म में उस बच्चे के मार्फत उच्चारित होती है जो कि बकरीद पर होने वाले कुर्बानी से बकरे को बचाने हेतु किसी भी हद तक चला जाता है। कथानक में सबसे मजबूत क्षण तब सामने आता है जब फैजान को पता चलता है कि डोडू की कुर्बानी का वक्त आ चला है। वह बच्चा बकरे को बचाकर जंगल में एक फकीर की कुटिया में चला जाता है। जहां बच्चे का पिता और अन्य लोग ढूंढते हुए पहुंचते हैं तो वह फकीर फैजान की मां से कहता है, आप दोनों अपने-अपने हिस्से का काम कर रहे हैं। आप बकरे को कुर्बान करना चाहते हैं और बच्चा बचाना चाहता है, बाकि ऊपर वाले की इच्छा। यह दृश्य फिल्म का सबसे मजबूत हिस्सा है, जहां संवेदना व तर्क की जुगलबंदी देखने को मिलती है और अंततः भावना की विजई होती है।

रुपहले परदे पर चित्रों को दौड़ाने की कला का नाम ही सिनेमा है, ऐसे में फिल्मकार का उद्देश्य भी स्पष्ट रूप से फिल्मों के गंभीर दर्शकवर्ग और अध्येताओं को पल्ले पड़ना अवश्यंभावी है। एक व्यावसायिक फिल्म बनाने के पीछे की मंशा अधिकांश लोगों तक पहुंचकर मुनाफा कमाना होती है, ठीक उसी तरह आर्ट हाउस सिनेमा की दुनिया के निर्देशक अपने विचार को विशेष दर्शक समूह तक पहुंचाकर खुद को सफल मान लेते हैं। ऐसी ही जमात से ध्रुव हर्ष ताल्लुकात रखते हैं। ज्ञातव्य हो कि गोंडा उत्तर प्रदेश का मूल निवासी युवा फिल्मकार वर्तमान में कोलकाता के हाथ रिक्शा चालकों पर डॉक्यूमेंट्री भी बना रहा है, जिसकी मेंटरिंग उम्दा फिल्मकार गौतम घोष कर रहे हैं।

बहरहाल, 'इलहाम' के शुरुआती दृश्यों को देखने पर लगेगा कि वह धर्म के विषय पर एक टाइपकास्ट फिल्म है लेकिन फिल्म जैसे-जैसे गतिमान होती है, उसकी व्यापकता का एहसास और बाल मनोयोग के कई अहम सवाल दर्शकों के मन में समुद्र मंथन करना शुरू कर देते हैं और यही फिल्मकार की संयत तथा निष्पक्ष दृष्टि को परिलक्षित करता है। फिल्म बकरा ईद के इर्द गिर्द घूमते हुए भी कहीं भी कुर्बानी के दृश्यों को नहीं दिखाती और यही इस फिल्म को अन्य फिल्मों की जमात से अलहदा करती है। 'इलहाम' में छोटी-छोटी बारीकियों पर ध्यान दिया गया है, मसलन रात के दृश्यों में लो-की और प्रैक्टिकल लाइटिंग के विशेष प्रभाव के संग मास्टर साउंड की आवश्यकतानुसार भरपाई।

फैजान के पिता रफ़ीक की भूमिका में महमूद हाशमी ने अभिनय के हल्के अतिरेक की चूक की है वहीं उनकी पत्नी की भूमिका निभाने वाली गुनीत कौर की सहजता दर्शक का मन मोहने की ताक़त रखती है। यह भी गौरतलब हो कि फैजान की भूमिका तोयो चान और उसकी बहन का रोल टोटो चान ने बख़ूबी निभाई है और दोनों की जुगलबंदी महान ईरानी फिल्मकार माजिद मजीदी द्वारा बनाई फिल्मों में दर्शाए बच्चों की याद दिलाती है। विशेषकर दोनों के स्कूल आने-जाने वाले सीन्स अधिक प्रभावोत्पादक साबित हुए हैं।

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी के एक ख़ूबसूरत गाँव दरियाबाद में शूट की गई यह फिल्म लंदन, ढाका आदि दर्जन भर जगहों में फिल्म उत्सवों का हिस्सा रह चुकी है और 22 जनवरी को कलकत्ता के नंदन में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल चिल्ड्रन फिल्म फेस्टिवल का भी हिस्सा रहेगी, जो फिल्म की वैचारिक ताकत का नतीजा माना जाना चाहिए।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

गोविन्द सेन

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जबरन थोप दिया गया मर्द पर यह जुमला

कुछ जुमले झूठे होते हुए भी सच लगते हैं। उनमें से एक जुमला यह है कि मर्द को दर्द नहीं होता। किसी बड़े मुख से निकलने के कारण उस पर सवाल ही नहीं किया जाता। उसे अकाट्य मान लिया जाता है। बड़े आदमी ने कहा है तो सच ही होगा। लेकिन यह कैसे हो सकता है कि चोट लगे और दर्द न हो। स्त्री हो या पुरुष, लड़का हो या लड़की दर्द तो सबको होता है साहब। मर्द पर यह जुमला जबरन थोप दिया गया है।

मर्द को दर्द नहीं होता-यह बड़े फिल्म अभिनेता के मुख से निकला जुमला है। फिल्म तो फिल्म है साहब। काल्पनिक होती है सत्य नहीं। संवाद कोई और लिखता है। बोलना किसी और को होता है। अभिनेता खुद नहीं बोलता उससे बुलवाया जाता है। वह तो तोता होता है। तोता वही बोलता है जो उससे बुलवाया जाता है। अभिनेता को कई किरदार निभाने होते है। हीरो को जोकर का रोल भी अदा करना पड़ता है।

उसे कहना पड़ता है-कुत्ते तेरा खून पी जाऊँगा। यह भी कोई बात हुई। पीने योग्य चीजें ही पी जाती है। दूध पियो, शरबत पियो, ये क्या कि कुत्ते का खून ही चाहिए। हद हो गई साहब। लेकिन ये जुमले असर खूब करते हैं।

वैसे नेता से बड़ा अभिनेता दूसरा नहीं होता। झूठ फैलाने में उसका कोई मुकाबला नहीं होता। आज कहेगा-'मैं शेर हूँ।' कल कहेगा-'मैं चूहा हूँ।' तीसरे दिन कहेगा-'मैं देवता हूँ।' परसों कहेगा-'नहीं मैं तो इंसान हूँ।' अब उसकी किस बात का यकीन किया जाए। बहुरुपए का कौनसा रूप असली और कौनसा नकली। उसके कथन से उसके किरदार का पता नहीं चलता।कब किस रूप में अवतरित होना है, वह भलीभाँति जानता है। जैसा देश वैसा भेस धारण करने में कोई भी अभिनेता उसका मुकाबला नहीं कर पाता है। वह टोपीनगर में टोपी पहन टोपीदास बन जाता है तो पगड़ीनगर में पगड़ी पहन पगड़ीदास बन जाता है। अभिनेता की तरह वह दूसरे के लिखे संवाद नहीं पढ़ता, वह अपने संवाद खुद लिखता है और खुद ही पढ़ता है।

अब फिर उसी बात पर आता हूँ। यदि मर्द को दर्द नहीं होता तो उसकी सर्जरी बिना एनेस्थीसिया दिए हो जाती। केवल औरत को ही एनेस्थीसिया देने की जरूरत होती। मर्द को अपनी मर्दानगी साबित करनी होती है। उसे छाती ठोक कर कहना पड़ता है-'तुम्हारे जैसे चूजों के लिए तो मैं अकेला ही काफी हूँ।' जैसे वह डॉलर हो और छियासी रुपयों का मुकाबला अकेला ही कर लेगा। उसके आगे रूपए की औकात ही क्या है।मर्द को मर्द ही नहीं असली मर्द साबित करना पड़ता है। मूँछ पर ताव दे जंघा ठोकते हुए दुश्मन को ललकार कर कहना पड़ता है-असल मर्द की औलाद है तो आजा। असली मर्द की पहचान यह मानी जाती है कि उसे चाहे जितना दर्द हो वह रोता नहीं। रोना औरतों का काम है, मर्दों का नहीं। मतलब दर्द को उसे झेलना पड़ता है और रोना भी नहीं होता। रोने लगे तो उसे औरत करार दे दिया जाता है। दर्द भी झेलो और रोओ भी मत। इसके पीछे वही जुमला काम कर रहा है-मर्द को दर्द नहीं होता। इस जुमले ने मर्दों का बेड़ा गर्क कर दिया है। रोना दर्द की दवा है लेकिन मर्द को इस दवा का इस्तेमाल करने की मनाही है।यदि कुकर में सेफ्टी वाल्व न हो तो भाप निकलेगी कैसे। यही कारण है कि औरतों की अपेक्षा मर्द अधिक आत्महत्या करते हैं। रो लेते तो आत्महत्या न करनी पड़ती। खाकसार ने इस जुमले की शल्य क्रिया कर उसे सही कर दिया है। इस जुमले से 'नहीं' को निकाल दिया है। मर्द को भी दर्द होता है साहब। वह पत्थर नहीं इंसान है। हालाँकि जुमलेबाजों को यह रास नहीं आएगा।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

फोन कॉलर प्रदर्शित करने की सेवा पर लोकहित याचिका

'सीएनपी' एक पूरक सेवा है जो किसी के कॉल पर फोन करने वाले का नाम फोन स्क्रीन पर फ्लैश करने में सक्षम बनाती है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने अपनी सिफारिशों में कहा कि देशी स्मार्टफोन उपकरण और ट्रू कॉलर और भारत कॉलर आईडी और एंटी-स्पैम जैसे थर्ड-पार्टी ऐप भी कॉलिंग पार्टी नाम पहचान और स्पैम पहचान सुविधाएं प्रदान करते हैं। लेकिन, ये सेवाएं क्राउड-स्रोत डेटा पर आधारित है, जो विश्वसनीय नहीं हो सकते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने इसी माह एक जनहित याचिका में दूरसंचार नेटवर्क ऑपरेटरों को सीएनपी (कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन सर्विस) को लागू करने के निर्देश देने की मांग करते हुए भारत सरकार से जवाब मांगा है। सीएनपी को हम एक ऐसी सेवा कह सकते हैं जिस पर किसी के द्वारा फोन करने पर आपके मोबाईल पर फोन करने वाले का नाम प्रदर्शित होता है। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने साइबर धोखाधड़ी की समस्या की व्यापकता पर विचार करते हुए जनहित याचिका में नोटिस जारी किया।

सीएनपी को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा एक सुविधा के रूप में पेश किया गया था जो उपयोगकर्ता के फोन पर कॉल करने वाले का नाम प्रदर्शित करता है। यह स्पैम और धोखाधड़ी कॉल का मुकाबला करने में सहायता कर सकता है। सीएनपी को पहले से मौजूद 'ट्रू कॉलर' के विकल्प के रूप में प्रस्तावित किया गया है, जिसमें एक ही विशेषता है। लेकिन, जानकारी हमेशा सटीक नहीं होती।

याचिकाकर्ता, गौरीषंकर बेंगलुरू के, जिन्होंने तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों और अवांछित कॉल के आलोक में वर्तमान जनहित याचिका दायर की है। याचिका में दूरसंचार विभाग और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा सीएनपी के कार्यान्वयन में देरी के मुद्दे को रेखांकित किया गया है। जनहित याचिका में कहा गया है कि ''इस मुद्दे की दबाव वाली प्रकृति के बावजूद, पिछले ढाई वर्षों के दौरान एक स्पष्ट कार्यान्वयन समयसीमा और सीएनपी की प्रगति की कमी के कारण यह जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है।'' अपनी याचिका में याचिकाकर्ता ने साइबर धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और ऐसे अपराधों की त्वरित रिपोर्टिंग के लिए एक कुशल प्रषासनिक तंत्र के साथ-साथ तीन महीने की अवधि के भीतर सीएनपी को लागू करने का निर्देश चाहा है। सन् 2022 में प्रत्यर्थी के मूल पत्र के बाद सीएनपी के कार्यान्वयन में ठोस प्रगति की कमी और याचिकाकर्ता की सूचना एकत्र करने की कवायद के कारण, यह जनहित याचिका यह सुनिश्चित करने के लिए अंतिम उपाय के रूप में दायर की गई है कि सीएनपी को तुरंत लागू किया जाए। याचिकाकर्ता ने सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया है कि वह प्रत्यर्थी को तीन माह के भीतर सीएनपी को लागू करने और आवश्यक पूरक उपायों की स्थापना करने का निर्देश देते हुए एक रिट ऑफ मैंडमस (परमादेश याचिका) जारी करें। इसमें धोखाधड़ी वाले कॉल के लिए एक रिपोर्टिंग तंत्र, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के साथ ही सीएनपी सेवा का एकीकरण और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए अन्य उपयुक्त आदेश पारित करने की प्रार्थना की गई है।

ट्राई ने ही कॉलर नाम प्रदर्शित करने के लिए सीएनपी सेवा शुरू करने की सिफारिश की थी। ट्राई ने सुझाव दिया था कि सभी एक्सेस सेवा प्रदाता अपने टेलीफोन ग्राहकों को उनके अनुरोध पर कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (सीएनपी) पूरक सेवा प्रदान करें। दिसंबर 2022 में ट्राई ने सिफारिश की थी कि भारतीय दूरसंचार नेटवर्क में पूरक सेवा के रूप में कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (सीएनपी) शुरू किया जाना चाहिए। सीधे शब्दों में कहें तो सीएनपी एक पूरक सेवा है जो किसी के कॉल पर फोन करने वाले का नाम फोन स्क्रीन पर फ्लैश (प्रदर्शित) करने में सक्षम बनाती है। ट्राई ने अपनी सिफारिशों में कहा कि देशी स्मार्टफोन उपकरण और ट्रू कॉलर और भारत कॉलर आईडी और एंटी-स्पैम जैसे थर्ड-पार्टी ऐप भी कॉलिंग पार्टी नाम पहचान और स्पैम पहचान सुविधाएं प्रदान करते हैं। लेकिन, ये सेवाएं क्राउड-स्रोत डेटा पर आधारित है, जो विश्वसनीय नहीं हो सकते हैं।

यह सुविधा कॉल किए गए व्यक्ति को कॉलिंग पार्टी के बारे में जानकारी प्रदान करेगी (ट्रू कॉलर और भारत कॉलर आईडी और एंटी-स्पैम के समान)। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है, कि टेलीफोन ग्राहक आने वाली कॉल के बारे में एक सूचित विकल्प चुन सकें और अज्ञात या स्पैम कॉल करने वालों द्वारा उत्पीड़न पर अंकुश लगा सकें। मौजूदा तकनीकें संभावित रिसीवर के हैंडसेट पर कॉलिंग इकाई का नंबर प्रस्तुत करती हैं। चूंकि ग्राहकों को फोन करने वाले का नाम और पहचान नहीं दी जाती है, इसलिए वे कभी-कभी यह मानते हुए उन्हें जवाब नहीं देते हैं कि यह पंजीकृत टेलीमार्केटरों से अवांछित वाणिज्यिक संचार हो सकता है। इससे

वास्तविक कॉल का भी जवाब नहीं दिया जा सकता है। ट्रू कॉलर की 2021 ग्लोबल स्पैम एंड स्कैम रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में हर महीने प्रति उपयोगकर्ता स्पैम कॉल की औसत संख्या 16.8 थी, जबकि इसके उपयोगकर्ताओं द्वारा प्राप्त कुल स्पैम वॉल्यूम अकेले अक्टूबर 2022 में 380 करोड़ कॉल से अधिक थी। इसमें कई चुनौतियां भी है। कॉल सेट करने में लगने वाले समय में थोड़ी वृद्धि होने की संभावना है। तेज वायरलेस नेटवर्क (4जी या 5जी) से अपेक्षाकृत धीमी (2जी या 3जी) या इसके विपरीत की ओर बढ़ने पर भी प्रतिक्रियाशीलता प्रभावित हो सकती है। यह विशेष रूप से स्पष्ट नहीं है कि (सीएनपी) तंत्र कॉल करने वाले के गुमनाम रहने के अधिकार को कैसे संतुलित करेगा, जो गोपनीयता के अधिकार का एक आवश्यक घटक है। इस परिप्रेक्ष्य में एक व्यक्ति कई कारणों से गुमनाम रहने का विकल्प चुन सकता है। उदाहरण के लिए, व्हिसल ब्लोअर या कर्मचारियों को परेशान किया जाना। यह आदर्श होगा कि किसी तीसरे पक्ष द्वारा संचालित केंद्रीकृत डेटाबेस होस्ट करने और साझा करने के लिए कहने के बजाय उन तर्ज पर एक ढांचा विकसित किया जाए।

इसमें आगे का रास्ता भी हमें पहचानना होगा। केवल पहचान दिखाने का ज्यादा मतलब नहीं होगा। एक बार प्रणाली (स्पैमर्स अर्थात बड़ी संख्या में अनवांछित ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान करने और चिन्हित करने के लिए) का निर्माण हो जाता है। सैकड़ों लोग इस प्रणाली का उपयोग करने में सक्षम होते हैं। तभी प्रणाली का सार्थक प्रभाव पड़ेगा। इंटरफेस एक प्रभावी तंत्र के साथ उपयोगकर्ता के अनुकूल होना चाहिए। अभिदाताओं की सक्रिय भागीदारी यह सुनिश्चित करेगी कि स्पैमर्स की सही पहचान हो और वे आगे कॉल करने में असमर्थ हों। सरकार को डिजिटल साक्षरता में भी निवेश करना चाहिए। नागरिकों को तकनीक का बेहतर उपयोग करने के लिए कुशल बनाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे अपने डेटा को अंधाधुंध रूप से साझा न करें और उन्हें वित्तीय धोखाधड़ी और स्पूफिंग जैसे खतरों के बारे में सूचित किया जाए।

ट्राई ने सुझाव दिया कि सभी एक्सेस प्रदाता अपने टेलीफोन ग्राहकों को उनके अनुरोध पर कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (सीएनपी) पूरक सेवा प्रदान करें। ट्राई ने विज्ञप्ति में कहा कि थोक कनेक्शन और व्यावसायिक कनेक्शन रखने वाली ग्राहक संस्थाओं को ग्राहक आवेदन पत्र (सीएएफ) में दिखाई देने वाले नाम के स्थान पर अपना पसंदीदा नाम प्रस्तुत करने की सुविधा दी जानी चाहिए। ट्राई ने बताया कि यह पसंदीदा नाम कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के साथ पंजीकृत ट्रेडमार्क नाम या जीएसटी परिषद के साथ पंजीकृत व्यापार नाम या सरकार के साथ विधिवत पंजीकृत कोई अन्य अनूठा नाम हो सकता है। हालांकि, यह ऐसे नाम के स्वामित्व को साबित करने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने की अभिदाता इकाई की क्षमता पर निर्भर है। देखना होगा कि सर्वोच्च न्यायालय इस याचिका पर क्या निर्णय देता है? यह भी जानना दिलचस्प होगा कि भारत सरकार का इस याचिका पर क्या रुख होगा। लेकिन निश्चित ही याचिकाकर्ता ने मोबाइल की एक जटिल और परेशान करने वाली समस्या पर न्यायालय का ध्यान आकर्षित किया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस समस्या का ऐसा कोई समाधान निकलेगा जो मोबाईल उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी से बचाने में मददगार साबित होगा।

वक्रोक्ति

अवनीश सोमकुवर

लेखक मप्र जनसंपर्क विभाग में अधिकारी हैं।

गधों को है उम्मीद आदमी को देंगे मात

भारत देश में 21वीं पशु गणना की शुरुआत होते ही पशुओं में एक अजीब सा उत्साह है। कुछ को अपने अस्तित्व की चिंता है। कुछ को बेहद खुशी है कि उनकी संख्या बढ़ेगी। सबसे ज्यादा खुश हैं गधे। गधों को पूरी उम्मीद है कि इस बार उनकी संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। फिर आदमी को देंगे मात। सबसे उदास हैं बैल और सांड। दूसरे पशुओं की अपनी चिंताएं हैं। इधर सभी राज्यों में पशु गणना दल निकल चुके हैं। राजधानी में पशुओं के प्रतिनिधियों का दो दिन का सम्मेलन भी शुरू हो गया। कुछ कारणों से इसे अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप नहीं मिल सका। कहा गया सिर्फ भारत की बात है। मैं रिपोर्टर की हैसियत से शामिल था।

सम्मेलन शुरू होते ही हंगामा होते-होते बच गया। गधों के दो प्रतिनिधियों की खुसुर-फुसुर उनके पास खड़े घोड़े ने सुन ली थी। गधे का एक प्रतिनिधि अपने साथी से पूछ रहा था कि क्या इस बार अपनी सरकार बनेगी। दूसरे साथी ने घूरते हुए जवाब दिया था कि तुम भी गधे ही बने रहोगे। गौर से देखो हम पावर में ही है। पावर की बात घोड़ा हजम नहीं कर पाया। माहौल तब शांत हुआ जब ऊंट ने उठकर कहा यहां पावर की बात करने नहीं आए है। अपने अस्तित्व की चिंता जताने आए हैं। फिर सब अपने एजेंडा पर विचार करने लगे। सबसे पहले बैलों के प्रतिनिधि ने कहा कि उन पर खतरा छाया है। उनका कहना था कि जब से सरकार ने खेतों को मशीनों के हवाले कर दिया है हम बेरोजगार हो गए हैं। हमारी स्थिति तो युवाओं की बेरोजगारी से भी बदतर है। इन्हें तो फिर भी कुछ उम्मीद है। हमें कोई उम्मीद नजर नहीं आती। जिसे देखो दुत्कारता है। हम न तो खेतों के रहे और न ही सड़कों के रहे। दिन भर हाईवे पर भटकते हैं । वहां भी खड़े रहना पड़ता है क्योंकि वहां हमारी गौ माताएं बैठी रहती हैं । हाईवे से निकलने वाली गाड़ियां जीरो स्पीड पर आकर धीरे-धीरे निकलती हैं। ड्राइवर पूरा ख्याल रखता है कि गलती से भी किसी को चोट ना लग जाए वरना गांव के लोग जीते जी मार देंगे। इसलिए अनहोनी से देर भली ।कुछ सरकारें तो इतनी ज्यादा परेशान है कि दिमाग वाले ऑफिसर माताओं के उठने-बैठने पर बड़ी-बड़ी नीतियां बना रहे हैं। हाल के चुनाव में एक विधायक महोदय इसका जिक्र कर चुनाव जीत गए। गौ माता की रक्षा-सुरक्षा के सौ वादे किए। अब गौ माता उन्हें पुकारती रहती है और उनकी कार सरसराती निकल जाती है। बैलों की मांग थी कि ट्रैक्टर बनाना बंद करवा दे सरकार। दूसरा कृत्रिम गर्भाधान बंद करे। सभी की बैलों के साथ हमदर्दी थी। आखिर दिन भर खड़ा रहता है बिना काम के। सबसे ज्यादा मुद्दे गधों के थे। उनका कहना था सबसे पहले आदमी यह बोलना बंद करे - गधे कहीं के। और यह भी कि वक्त पड़े तो गधे को भी बाप बनाना पड़ता है। उनका कहना था कि इन्हें हर रोज वक्त पड़ता है। हम लोग कब तक बाप का रोल निभाते रहें। अब हम थक चुके हैं। और भी दूसरे साथी हैं। ऊंट है। खच्चर हैं। बाप भले नहीं बनाओ, चाचा बना लो।

गधों के प्रतिनिधि का यह भी कहना था कि धोबियों से निजात दिलाओ। ऐसा कौन सा नियम है कि हमको धोबियो के साथ ही रहना है। सिर्फ भारत देश में ही ऐसा है। बाकी देशों में तो हम फ्री घूमते हैं। जिसके पास बोझ हो वहीं रह जाते हैं। जहां जाना है जाते हैं । यहां अजीब पाबंदी है कि धोबी के पास रहो। ऐसा कहते हुए उन्होंने आदमी पर मानहानि का मुकदमा करने की धमकी दे डाली। उनका कहना था कि हमारी शान आदमी से कम नहीं। हमारा इतिहास आदमी के इतिहास से जुड़ा है। हमारी बोझा ढोने की ताकत के कारण आदमी ने हमको अपने साथ रखा है। मिस्र और मेसोपोटामिया में तो हमें आदमी के साथ ही शान से दफनाया जाता था।

उनका कहना था हम गधों की खाल में मौजूद जिलेटिन से बनने वाली दिमाग की ताकत बढ़ाने की दवा एजीयाओ बन रही है। इसकी मांग चीन में बढ़ी तब से साउथ अफ्रीका में रहने वाले भाईयों की जान पर खतरा बन आया। सैकड़ो की संख्या में हर साल मारे जाद्य रहे हैं। हमें बहुत बड़ी कुर्बानी देनी पड़ रही है। हमारे भारत में इतनी डिमांड नहीं है क्योंकि हमारे देश के लोगों को वहम है कि वे दुनिया में सबसे बेहतरीन दिमाग वाले लोग हैं। गधों की बातें सुनकर पर सभी पशु खामोश हो गए थे। अचानक घोड़े का प्रतिदिन उठा और कहा कि हमें भी शिकायत है। यह कि हमारी ताकत से दुनिया अपनी ताकत नापती है और इसको हॉर्स पावर कहती है। हमें शिकायत है कि हमें रेस के मैदान में दौड़ाते हैं और तमाशा देखते हैं। हमारे ऊपर बैठकर कई महाराजाओं ने बड़ी-बड़ी लड़ाइयां लड़ी। सजी हुई बग्गियों में हमें लगा देते थे। यज्ञ में हमारी बलि भी देते थे। आज हमारे अस्तबल का कोई पता नहीं। हमारे मालिक कहते हैं चना बहुत मंहगा है तुमको नहीं खिला सकते। अब आदमी सोचे कि यदि हम बैठ गए तो खेल लेना पोलो और कर लेना घुड़सवारी । हम देखेंगे कि दूल्हे किसकी पीठ पर बैठेंगे? गधों से भी बैर मोल ले लिया है। ऊंट पर बैठ नहीं सकते। पता नहीं कब कौन से करवट बैठ जाए।

अपना गुस्सा जाहिर कर वह बैठ गया। इसके तत्काल बाद भैंस खड़ी हो गई। जोर जोर से कहने लगी सबसे पहले ये बताएं कि भैंस के आगे बीन बजाना कहावत किसने बनाई? बाजू में खडे ऊंट ने बोला कि हां मैं भी यही पूछना चाहता हूं मेरे मुंह में जीरा की कहावत किसने बनाई जबकि बीन मेरे सामने बजाना थी और जीरा भैंस के मुंह में जाना था। फिर हम कहते कि भैंस क्या जाने जीरे का स्वाद और कहते 'ऊंट के आगे बीन बजाए , ऊंट खड़ा लजाए।' भैंस ने उसे चुप करते हुए कहा देखो जिस आदमी को यह नहीं मालूम की भैंस और सांप में क्या फर्क वह तो महामूर्ख है। अरे भाई तुम्हारे हाथ में बीन है तो जाओ आदमियों के पास। हर आदमी की आस्तीन में दो, चार सांप होते ही हैं पकड़ लो । मुझे क्यों बदनाम करते हो।

इतने में सूअर का प्रतिनिधि खड़ा हुआ और कहा कि हम लोगों को भी बहुत बदनामी झेलनी पड़ती है। यह आदमी बार-बार कहता है सूअर के बच्चे । हम लोग चौंक जाते हैं। एक तो हमारे दस बारह बच्चे होते हैं। अब उनके बच्चों को कौन संभालेगा? सांडों के प्रतिनिधि का कहना था कि हमारे सींग में सिक्कों की थैली बांधकर छुड़ाने खेल करते हैं जल्लीकट्टू । जो जीतता है उसको ट्रैक्टर और कार ईनाम में मिलती है । हमारी मांग है कि जो जीतेगा हम उसके साथ जायेंगे। विजेता ट्रैक्टर , कार लेकर चला जाता है। हम वहीं पर खड़े रह जाते हैं। अभी तक के हमारे बारे में अदालत में कोई फैसला भी नहीं दिया है। क्या हम इतने खास हो गए हैं ? हमें सिर्फ इतना पूछना है कि हमारे पीछे क्यों पड़े हो? सभी आगे बढ़कर अपनी बात कह रहे थे इतने में बकरा बोला कि यहां एक रिपोर्टर भी आ गया है क्या करना है। मैं चुपचाप खिसक गया।

महाराष्ट्र राजनीति

नवीन कुमार

(वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक)

फडणवीस और उद्धव की मुलाकात क्या सिर्फ बहाना ?

राजनीतिक गलियारे में देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे की मुलाकात को एक विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। वैसे भी, बीजेपी और अविभाजित शिवसेना 25 साल तक साथ रहे हैं। 2019 में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर दोनों अलग हो गए। लेकिन, ठाकरे से मुलाकात पर गरमाई राजनीति के बाद फडणवीस ने एक राजनीतिक बयान भी दिया कि उनके साथ एकनाथ शिंदे और अजित पवार अपनी-अपनी कुर्सी पर अच्छे से काम कर रहे हैं। इसलिए फिलहाल चौथी कुर्सी के लिए जगह नहीं है।

महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद उद्धव ठाकरे की मुलाकात से सत्ता के गलियारे में हलचल बढ़ी हुई है। उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे ने भी एक महीने में तीन बार फडणवीस से मुलाकात की है। बात सिर्फ मुलाकात तक ही सीमित नहीं है बल्कि शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' ने भी फडणवीस का स्तुति गान किया है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि यह मुलाकात सिर्फ एक बहाना नहीं है। इसके पीछे कुछ तो मकसद है और जिस हंडी में खिचड़ी पक रही है, उसका राज आने वाले समय में खुल सकता है। फिलहाल उद्धव ने इसे एक शिष्टाचार मुलाकात कहा है। आदित्य ने भी स्पष्ट किया है कि हम स्वस्थ विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं और सरकार के अच्छे काम की तारीफ करना हमारा फर्ज है। इसलिए 'सामना' ने भी फडणवीस के गढ़चिरौली में विकास से जुड़े किए कामों की प्रशंसा की। फडणवीस गढ़चिरौली को नक्सल मुक्त करने के साथ इसे स्टील सिटी बनाने का काम कर रहे हैं। नक्सल मुक्त होने से यहां आदिवासियों का विकास होगा।

'सामना' ने यह भी लिखा कि बीड़ में बंदूकों का राज है। यहां सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में अजित पवार गुट के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी वाल्मीक कराड कथित रूप से शामिल है और उस पर मकोका लगाकर एसआईडी ने हिरासत में लिया है)। फिर भी, अगर गढ़चिरौली में संविधान का राज है तो मुख्यमंत्री फडणवीस प्रशंसा के पात्र हैं। विधानसभा चुनाव में बीजेपीनीत महायुति को बहुत बड़ी सफलता मिली। न सिर्फ बीजेपी ने उम्मीद से ज्यादा सीटें जीती, बल्कि उसकी सहयोगी पार्टी शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी ने भी अपनी जीत से चौंका दिया। महायुति ने 248 में से 230 सीटें हासिल की। इसके उलट महा विकास आघाडी (एमवीए) के घटक दल कांग्रेस के साथ ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एनसीपी धरती पकड़ पार्टी बन गई। एमवीए के खाते में 46 सीटें हैं। स्थिति साफ है कि विधानसभा में अब विपक्ष का कोई नेता नहीं है। ऐसे में विधानमंडल में फडणवीस की सरकार के किसी भी फैसले को रोकने की ताकत विपक्ष के पास नहीं होगी। लेकिन, ढाई साल सत्ता से दूर रहने के अनुभव ने फडणवीस को अलग तरह से राजनीति करने पर मजबूर किया है। इसलिए उन्होंने कहा है कि वह राज्य के विकास के लिए विपक्ष की सलाह का भी स्वागत करेंगे। विपक्ष से दुश्मनी की भावना को अलग रखते हुए फडणवीस ने आदित्य की हर घर पानी योजना को ध्यान से सुना है जिसे पिछली शिंदे सरकार ने रोक दिया था। इसके अलावा आदित्य ने पुलिस कर्मियों के लिए आवास का समाधान और कलेक्टर के स्वामित्व वाली भूमि को फ्रीहोल्ड में बदलने के लिए प्रीमियम में कमी करने की मांग की है। हालांकि, फडणवीस को पता है कि अब विपक्ष ताकतवर नहीं है। बावजूद इसके वह चाहते हैं कि सरकार के हर फैसले में विपक्ष की सहमति रहे। और ठाकरे शिवसेना का झुकाव इस ओर दिख रहा है। ठाकरे ने सरकार के जनहित काम को पूरा समर्थन देने का भी ऐलान कर दिया है।

इस मुलाकात से फडणवीस और ठाकरे भले की सहज दिख रहे हैं। लेकिन सियासी खेल में यह मुलाकात शिंदे शिवसेना को असहज जरूर कर दिया है। अजित ने ऐसी कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है जिससे लगे उन्हें यह मुलाकात नागवार गुजरा है। शिंदे शिवसेना ने अपने बेचैनी वाले बयान दिए हैं। खुद एकनाथ शिंदे ने कहा है कि जो हमारी सरकार की आलोचना कर रहे थे अब वे फडणवीस के नेतृत्व वाली हमारी सरकार की तारीफ कर रहे हैं। चलो, उनके मन में अच्छी बातें आ रही हैं। उनका तंज उद्धव पर था। और आदित्य को लेकर तो यहां तक कह दिया कि यह रंग बदलने वाला गिरगिट की नई प्रजाति है। शिंदे के तंज पर ठाकरे भी संयमित हैं। ऐसा कोई बयान नहीं दिया है जिससे लगे कि शिंदे और ठाकरे में वाकयुद्ध चल रहा है। लेकिन इतना जरूर है कि बाला साहेब ठाकरे की शिवसेना के अब दो टुकड़े हो चुकी है और जनता की अदालत ने भी असली शिवसेना के लिए शिंदे शिवसेना के पक्ष में अपना फैसला दे दिया है। इसलिए शिंदे शिवसेना ठाकरे शिवसेना को हर स्तर पर कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के बाद शिंदे शिवसेना में थोड़ी नाराजगी तो है। शिंदे शिवसेना को पूरा विश्वास था कि विधानसभा चुनाव में बीजेपी को भले ही ज्यादा सीटें मिल जाएं, मुख्यमंत्री तो एकनाथ शिंदे ही होंगे। यह विश्वास टूट गया और शिंदे का बॉडी लैंग्वेज बताता है कि वह खुश नहीं हैं। उनकी पार्टी को मंत्रिमंडल में मनचाहे विभाग नहीं मिले। गृह विभाग उनकी पहली पसंद थी जिसे फडणवीस ने अपने ही पास रखा। अब मन

को बहलाने के लिए वह बार-बार अपने गांव जा रहे हैं। वहां से सकारात्मक ऊर्जा लेकर फिर राजकीय काम में लग जाते हैं। दरअसल बीजेपी को 130 से ज्यादा सीटें मिल गई है तो उसे किसी सहयोगी दल की बैसाखी की जरूरत नहीं है। इसलिए अगर शिंदे शिवसेना या अजित गुट की ओर से नाराजगी जाहिर की जाती है तो बीजेपी उसे नजरअंदाज कर रही है।

बीजेपी को पता है कि जिस तरह से शिंदे की शिवसेना बनी और जिस तरह से अजित गुट की एनसीपी अलग हुई उन दोनों के लिए घर वापसी आसान नहीं है। शिंदे और ठाकरे की दुश्मनी जगजाहिर है तो पवार परिवार में मतभेद की कहानी अब किसी से छिपी नहीं है। लेकिन, पवार परिवार के एकजुट होने के प्रयास चल रहे हैं। शिंदे और ठाकरे के बीच दूरियां बढ़ती ही जा रही हैं। शिंदे शिवसेना ने तो फडणवीस के पाले में इस तरह से बॉल फेंका है जिसे बहुत ही संभलकर फडणवीस को खेलना होगा। शिंदे शिवसेना ने फडणवीस बाला साहेब ठाकरे स्मारक समिति के अध्यक्ष पद से उद्धव ठाकरे को हटाने की मांग की है। दूसरी ओर उद्धव भी इस प्रयास में हैं कि इस समिति में एकनाथ शिंदे को शामिल नहीं किया जाए। शिंदे शिवसेना का मानना है कि उद्धव ने बाला साहेब के हिंदुत्व के विचारों को छोड़ दिया है इसलिए उनका समिति के अध्यक्ष पद पर बने रहना उचित नहीं है।

फडणवीस की नजर शिंदे सेना और अजित गुट दोनों की गतिविधियों पर बनी हुई है। इसलिए राजनीतिक गलियारे में फडणवीस और ठाकरे की मुलाकात को एक विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। वैसे भी, बीजेपी और अविभाजित शिवसेना 25 साल तक साथ रहे हैं। 2019 में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर दोनों अलग हो गए। लेकिन, ठाकरे से मुलाकात पर गरमाई राजनीति के बाद फडणवीस ने एक राजनीतिक बयान भी दिया कि उनके साथ एकनाथ शिंदे और अजित पवार अपनी-अपनी कुर्सी पर अच्छे से काम कर रहे हैं। इसलिए फिलहाल चौथी कुर्सी के लिए जगह नहीं है। अब बीएमसी के साथ स्थानीय निकायों के चुनाव तीन महीने बाद होने की संभावना है। बीएमसी पर लगभग तीन दशक से ठाकरे शिवसेना का कब्जा रहा है। लेकिन मूल शिवसेना में विभाजन होने के बाद अब बीजेपी को भरोसा है कि उसका इस पर कब्जा हो सकता है।

बीएमसी के पिछले चुनाव में बीजेपी और शिवसेना की ताकत में ज्यादा अंतर नहीं था। शिवसेना से सिर्फ दो नगरसेवक कम थे बीजेपी के पास। विधानसभा चुनाव के अनुभव से ठाकरे सचेत हो गए हैं और अब शिवसैनिकों की मांग पर अकेले चुनाव लड़ने का संकेत दिया है। बीजेपी भी अकेले चुनाव लड़ने की बात कर रही है। अगर यह संभव हुआ तो ऐसे में बीएमसी चुनाव में बीजेपी को शिंदे शिवसेना से भी मुकाबला करना पड़ सकता है। इसलिए मराठी वोट के लिए बीजेपी उद्धव के चचेरे भाई और मनसे के राज ठाकरे से भी दोस्ती बढ़ा रही है। अब फडणवीस और ठाकरे की बढ़ती नजदीकियों को बीएमसी चुनाव के लिए नए समीकरण के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीति में कुछ भी संभव है। विधानसभा में शिंदे शिवसेना के साथ सत्ता में बीजेपी सहभागी रह सकती है तो बीएमसी में ठाकरे शिवसेना से दोस्ती हो सकती है। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद जिस तरह से ठाकरे ने कहा था कि मुख्यमंत्री फडणवीस को ही बनना चाहिए। उसी तरह से बीएमसी के लिए फडणवीस और ठाकरे के बीच कोई राजनीतिक सांठगांठ हो सकती है। ठाकरे की यह कोशिश रहेगी कि शिंदे शिवसेना बीएमसी में पिछड़ जाए और कट्टर शिवसैनिकों के सहारे ठाकरे शिवसेना फिर से बीएमसी पर काबिज हो जाए। यह बहुत संभव नहीं है। लेकिन बीएमसी के जरिए कई सारी परियोजनाओं को पूरा करना है तो बीजेपी विरोध को कम करने के लिए ठाकरे शिवसेना को साथ कर सकती है। बीजेपी के लिए धारावी पुनर्विकास और बुलेट ट्रेन परियोजनाएं चुनौती बनी हुई है जिसे ठाकरे के सहयोग से पूरा किया जा सकता है।

रेत कंपनी के बाहरी लोगों को नगर से बाहर किये जाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

बैतूल/शाहपुर। शाहपुर में लेनदेन को लेकर दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग की घटना में पुलिस अभी तक आरोपियों तक नहीं पहुंच पाई है। रविवार पुलिस की फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना भी किया है। इधर घटना को लेकर नगर परिषद अध्यक्ष शाहपुर ने नाराजगी जाहिर करते हुए आज रविवार को नगर के लोगों के साथ जाकर थाना प्रभारी शाहपुर को रेत कंपनी से जुड़े बाहरी आपराधिक प्रवृत्ति के लोगो पर कार्रवाई करने की मांग का ज्ञापन सौंपा है। जिसमें बताया गया है कि इस समय हमारे नगर में रेत कंपनी के बाहरी आपराधिक प्रवृत्ति के लोग अपना डेरा जमा रहे हैं। जिनकी थाने में मुसाफिरी भी दर्ज नहीं है। बीते शनिवार को इन्हीं लोगो के द्वारा नगर में बंदूक से गोली चलाने की घटना कारित की गई। जिसमें चार फायर किए गए। जिस जगह फायर किए गए, वहां बच्चे खेल रहे थे। जिन्हें गोली लग सकती थी। लोगों ने बताया कि इनके द्वारा नगर सहित गांवो में स्कॉर्पियो वाहन से घूम कर लोगो में दहशत फैलाई जा रही है। इनके द्वारा क्षेत्र की नदियों में बेखौफ अवैध रेत का उत्खनन कार्य किया जा रहा है। खनिज संपदा का खुलेआम दोहन किया जा रहा हैं। ऐसे लोगों को किराये पर मकान देने वालों और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर उचित कार्यवाही करने की मांग ज्ञापन में की गई है। इस अवसर पर संजय जगताप, रोशन प्रजापति, रितिक प्रजापति, संजय जागडे, प्यारेलाल प्रजापति, मुरली प्रजापति सहित अन्य मौजूद थे। इधर रेत का कारोबार कर रही कंपनी के कर्ताधर्ताओं ने घटना को लेकर अपने हाथ खड़े कर यह स्पष्ट कर दिया है कि आरोपी और फरियादी दोनों से उनकी कंपनी का कोई कनेक्शन नहीं है। और उनके कर्मचारियों की सूची बकायदा थाने में एवं खनिज अधिकारी के कार्यालय में दी गई है।

फसल और उपकरणों की चोरी से परेशान किसान, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

बैतूल। बैतूल बाजार थाना क्षेत्र के किसानों के लिए खेती करना इन दिनों मुश्किल हो गया है। खेतों से फसल, कृषि उपकरण और अन्य सामग्री की लगातार हो रही चोरी ने किसानों को परेशान कर दिया है। किसानों का आरोप है कि जब वे चोरी की घटनाओं की शिकायत दर्ज कराने थाने जाते हैं, तो पुलिस केवल आवेदन लेकर खानापूर्ति कर रही है। घटनास्थल पर निरीक्षण तक नहीं किया जा रहा और न ही चोरों को पकडने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। कई किसानों ने बताया कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद उनकी समस्याओं को अनसुना किया जा रहा है। किसान रातों को जागकर अपनी फसलों और उपकरणों की सुरक्षा करने पर मजबूर हो गए हैं। हाल ही में आधा दर्जन किसानों के खेतों से केबल, मोटर पाइप और अन्य उपकरण चोरी हो गए। किसान पुलिस पर एफआईआर दर्ज न करने और छोटे मामलों को नजरअंदाज करने का आरोप लगा रहे हैं। उनका कहना है कि पुलिस की लापरवाही के कारण चोरों के हौसले बुलंद हो गए हैं। क्षेत्र के किसानों ने उच्च अधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही चोरियों पर लगाम नहीं लगाई गई, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। किसानों ने यह भी मांग की है कि खेतों के रास्तों पर गश्त बढ़ाई जाए और चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए। किसानों का कहना है कि उनकी मेहनत की कमाई चोरों के हाथ में जा रही है, और पुलिस प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

भागवत कथा सही मार्ग के चुनाव की प्रेरणा देती: पंडित अनिल कृष्ण तिवारी

बैतूल। भागवत कथा श्रवण मात्र से पाप से मुक्ति मिलती। जिस स्थान पर कथा होती है वहां भगवान विराजमान होते हैं। भगवान नाम के जाप से सारे विपत्ति नाश हो जाते हैं। इस जगत में भगवत कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। मनुष्य को समाज में अच्छे काम करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है की कर्म ही प्रधान है, बिना कर्म कुछ संभव नहीं होता है, जो मनुष्य अच्छा व सत्कर्म करता है उसे अच्छा फल मिलता है व बुरे कर्म करने वाले को हमेशा बुरा फल मिलता है। उक्त उद्गार सेहरा में चल रही संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के पांचवे दिन पंडित अनिल कृष्ण तिवारी वृंदावन धाम ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अच्छे कर्मों के प्रति आकृष्ट होना चाहिए। एक मार्ग दमन का है तो दूसरा उदारीकरण का। दोनों ही मार्गो में अधोगामी वृत्तियाँ निषेध हैं। भागवत कथा सही मार्ग के चुनाव की प्रेरणा देती है। जैसे कि गोकर्ण ने कथा कही, किन्तु उसके दुराचारी भाई धुंधकारी ने मनोयोग से उसे सुना तो मोक्ष प्राप्त हो गया। आयोजक नीलकंठ लिल्होरे ने बताया कि कल मंगलवार भंडारा प्रसादी के साथ कथा का समापन होगा। कथा श्रवण के लिए आस-पास के ग्रामों से बड़ी संख्या में भक्त आ रहें हैं।

जिले के अधिकांश सरकारी स्कूलों में हैंडवाश यूनिट (प्याऊ) बंद, बच्चे-शिक्षक परेशान

कहीं टाइल्स उखड़ीं, तो कहीं टूटे नल, नहीं आ रहा पानी, कैंपर के पानी से बुझा रहे प्यास

संजय द्विवेदी, बैतूल। बच्चों में स्वच्छता की अलख जगाने और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सरकारी स्कूलों में हैंडवाश यूनिट (प्याऊ) बनाये गये। जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक हैंडवाश यूनिट (प्याऊ) पर लाखों रूपये खर्च भी किए गए है। लेकिन यह प्याऊ गुणवत्ताहीन सामग्री और घटिया निर्माण की भेंट चढ़ गई। हालात यह है कि अधिकांश स्कूलों में यूनिटे बदहाल स्थिति में पड़ी है और स्कूलों में कैंपर रखवाते हुए पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

अब अप्रैल माह से नये शिक्षण सत्र की शुरुआत होने वाली है। इस माह में गर्मी भी पूरे शबाब पर रहती है। ऐसे में जिन स्कूलों में हैंडवाश यूनिट या प्याऊ का सुचारू संचालन नहीं हो रहा है, वहां बच्चों को पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ सकता है। बता दे कि जिले के 1928 प्राइमरी और 877 मिडिल स्कूल कुल 2805 स्कूल है, जिनमें से अधिकांश सरकारी स्कूलों में हैंडवाश यूनिट (प्याऊ) का निर्माण करवाया था, ताकि बच्चे भोजन से पहले हाथ साफ करे और बच्चों को पीने का पानी भी उपलब्ध हो सके। प्याऊ के साथ छत पर पानी की टंकी रखना और बिजली का कनेक्शन भी करना था। वहीं यदि स्कूल परिसर में हैंडपंप है तो मोटर डालकर कनेक्शन किये जाने थे। जहां हैंडपंप नहीं है और 500 मीटर की परिधि में सरकारी नलकूप भी नहीं है, वहां नलकूप खनन करवाना था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पानी के स्थायी स्रोत नहीं होने व विभागीय अनदेखी के चलते सरकारी स्कूलों में बनी हैंडवाश यूनिट (प्याऊ) बंद पड़े है।

कहीं मोटर नहीं डाली, तो कहीं टंकी गायब - जिले के अधिकांश स्कूलों में हैंडवाश यूनिट का ढांचा खड़ा कर छोड़ दिया गया, तो कहीं निर्माण पूर्ण होने के बाद भी नलों को टंकी से नहीं जोड़ा जा सका है। जानकारी के अनुसार आमला ब्लॉक के रमली, नांदपुर, ससुंद्रा, बेलमंडई, अंबाड़ा के स्कूलों में हैंडवाश बने है, लेकिन इनमें से अधिकांश बंद स्थिति में पड़ी है। इधर शाहपुर ब्लाक के शासकीय प्राथमिक शाला चापड़ा सहित अन्य स्कूलों में भी हैंडवॉस यूनिट(प्याऊ) के हालत भी कुछऐसे ही है। कहीं-कहीं यूनिटे पूर्ण भी नहीं है। जहां यूनिटें बन चुकी है, वहां नल कनेक्शन या बिजली का साधन अब तक नहीं हुए। ग्रामीणों का आरोप है कि हैंडवाश यूनिट के नाम पर राशि खर्च होने के बाद भी हालात जस के तस हैं। बच्चे हैंडपंप और अन्य जल स्रोतों से प्यास बुझा रहे है।

रसोईएं भर रहे कैंपर या पानी के लिए बच्चे पहुंच रहे हैंडपंप

स्कूलों में पानी का इंतजाम नहीं होने के कारण बच्चों को यहां-वहां भटकना पड़ रहा है। जबकि शासन के ऐसे आदेश है कि कोई भी बच्चा बाउंड्री के बाहर न जाए। लिहाजा इसके चलते ही संस्थाओं में हैंडवाश यूनिट बनाए गये। इसका एक उद्देश्य यह भी है कि जब बच्चा स्कूल जाए तो हाथ धोकर ही अंदर प्रवेश करें जिससे संक्रमण से भी बचा जा सके और प्यास लगने पर बच्चों से आसानी से शुद्ध जल उपलब्ध हो सके, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही और ठेकेदारों की मनमानी के कारण सरकार की इस योजना पर पलीता लग रहा है। हाल यह है कि अधिकांश स्कूलों हैंडवाश यूनिट बंद होने से रसोईएं कैंपर भरकर रखते है। जिससे बच्चे पानी पी रहे है या जहां रसोईए नहीं और यूनिटे भी बंद है, ऐसे स्कूल के बच्चे हैंडपंप पर जाकर पानी पीते है।

इनका कहना है -

जिले के कितने स्कूलों में हैंडवाश यूनिट प्याऊ बंद है। इसकी जानकारी ली जायेगी। हैंडवाश यूनिटे पीएचई विभाग के माध्यम से बनी थी। कुछ स्कूल में नल चोरी होने और टूट-फूट की जानकारी मुझे भी मिली है। मैं पता करता हूं कि ऐसे कितने स्कूल है।

- जितेंद्र भनारिया, डीपीसी, बैतूल

कुछ स्कूलों के कैंपस खुले है। जिसके कारण असामाजिक तत्वों या ग्रामीण बच्चे भी पत्थर मारकर नल, टाइल्स तोड़ देते है। फिर भी मैं जानकारी लेता हूं कि किन किन स्कूलों में हैंडवाश यूनिट प्याऊ बंद है। उन्हें चालू कराया जायेगा।

- मनोज बगाहे, ईई, पीएचई विभाग, बैतूल

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर अरुणाचल प्रदेश प्रवास पर, सीएम से की मुलाकात

केंद्रीय राज्यमंत्री अरुणाचल प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगी

धार। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने अरुणाचल प्रदेश तीन दिवसीय प्रवास के दौरान प्रथम दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, दोनों नेताओं ने महिलाओं के उत्थान एवं बाल विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। यहां उल्लेखनीय है कि श्रीमती ठाकुर दिनांक 18 से 20 जनवरी तक अरुणाचल प्रदेश के प्रवास पर हैं इस दौरान वे वहां के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगी।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने अरुणाचल प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना की और राज्य सरकार को इन कार्यक्रमों को और मजबूत बनाने के लिए पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं जिसका लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग को प्राप्त हो और 2047 तक भारत एक विकसित भारत के रूप में विश्व पटल पर उभर कर आए ऐसा हम सभी का प्रयास है। इस मुलाकात के दौरान श्री खांडू ने अरुणाचल प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री से सहयोग की अपेक्षा की।

पीएम मोदी की 'मन की बात' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 1879 बूथों पर देखा व सुना

मोदी जी ने महाकुंभ को विविधता में एकता, सद्भाव, सामाजिक मेल-जोल और भारत के लोगों को भारत की परंपराओं से जोड़ने वाला पर्व बताया

धार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चर्चित रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 118 वे एपिसोड कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले के सभी मंडलों व अधिकतर बूथों पर कार्यकर्ताओं द्वारा आमजनो के साथ देखा व सुना गया। मन की बात÷ कार्यक्रम धार नगर सेनापति मंडल बूथ क्रमांक 49 पर कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान, नवनियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष धार निलेश भारती, विधायक नीना वर्मा, मंडल अध्यक्ष विशाल निगम भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा युवा मोर्चा जिला महामंत्री अंकित भावसार ने देखा व सुना। भाजपा प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल, नवनियुक्त भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार ने मन की बात कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कुक्षी नगर मण्डल के वार्ड क्र.10 अंबेडकर बस्ती के बूथ क्रमांक 64 पर सुना।

जिला अध्यक्ष निलेश भारती ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 118 वें एपिसोड में विभिन्न विषयों पर अपने मन की बात देशवासियो से साझा कर संविधान सभा से जुड़े महापुरुषों को नमन किया ! इस वर्ष संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने तीर्थराज प्रयाग में आयोजित महाकुंभ को विविधता में एकता, सद्भाव, सामाजिक मेल-जोल और भारत के लोगों को भारत की परंपराओं से जोड़ने वाला पर्व बताया। इसके अलावा आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने पुष्करम और गंगासागर मेला का भी जिक्र भी किया। धार नगर के मन की बात कार्यक्रम में मंडल महामंत्री पुरुषोत्तम चौहान हुकुम लश्करी अजय राठौर आशीष जैन बादल मालवीय शैलेंद्र चौरसिया लव प्रजापत कुसुम सोलंकी,अभिषेक चौधरी सहित मंडल का पदाधिकारी भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिले के सभी 39 मंडलो 1879 बूथों पर देखा कार्यक्रम- भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि जिले के धार और धार ग्रामीण की सातो विधानसभाओं के 39 मण्डलो में 1879 बूथ है । जिनमे सभी बूथों पर जिला पदाधिकारीयो, मण्डल अध्यक्षो, मण्डल प्रतिनिधियों, मण्डल प्रभारियों, भाजपा के वरिष्ठजनों, मोर्चा के जिलाध्यक्षो, जनप्रतिनिधियों बूथ समिति एवं स्थानीय पदाधिकारी,कार्यकर्ताओ की मौजूदगी में पीएम मोदी की मन की बात के कार्यक्रम को देखा व सुना गया ।

स्व. सतीश मिश्रा के निवास पहुंचे प्रभारी मंत्री और विधायक

भौरा। क्षेत्र के कुशल नेतृत्व और लोकप्रियता के प्रतीक रहे पूर्व भाजपा शाहपुर मंडल अध्यक्ष स्व. सतीश मिश्रा के असामयिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। नागपुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान बुधवार को उनका निधन हो गया था। शनिवार को जिले के प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल और विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके उनके पहावाडी स्थित निवास पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। परिजनों से बात करते हुए प्रभारी मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने स्व. सतीश मिश्रा के पुत्र शांतनु मिश्रा को ढांढस बंधाते हुए कहा, आपको चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। आपके पिताजी अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन मैं और पूरा भाजपा परिवार आपके साथ खड़ा है। किसी भी प्रकार की समस्या हो, तो बेझिझक बताएं। हम हर संभव सहायता करेंगे। शोक व्यक्त करते हुए विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके ने कहा, सतीश मिश्रा का जाना न केवल भाजपा संगठन बल्कि

पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ी क्षति है। उनका समर्पण, नेतृत्व और जनता से जुड़ाव सभी के लिए प्रेरणादायक था। हम उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनके परिवार की हर जरूरत को पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। प्रभारी मंत्री और विधायक ने इस दौरान स्व. सतीश मिश्रा के संगठनात्मक और सामाजिक योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि मिश्रा ने अपने कार्यकाल में पार्टी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम किया और क्षेत्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मिश्रा परिवार ने इस कठिन समय में मिले सहयोग और संवेदनाओं के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। परिवार ने कहा कि यह समय उनके लिए अत्यंत कठिन है।

जन अभियान परिषद ने आयोजित किया जिला स्तरीय व्याख्यानमाला

बैतूल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिला स्तरीय व्याख्यानमाला का आयोजन जिला पंचायत के सभागार में किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, जिला पंचायत सदस्य राजा ठाकुर, जनपद सदस्य अलकेश वाघमारे, यातायात प्रभारी गजेंद्र केन, तूलिका पचौरी, निमिषा शुक्ला द्वारा स्वामी विवेकानंदजी एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए जिला समन्वयक प्रिया चौधरी ने कहा कि परिषद द्वारा देश के महापुरुषों को स्मरण कर उनके संदेश को समाज तक

पहुंचाने की दृष्टि से इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर समाज के साथ मिलकर किए जाते हैं, इसी श्रृंखला में युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद के जीवन का संदेश और उद्देश्य युवाओं तक पहुंचाने की दृष्टि से यह आयोजन परिषद के द्वारा किया गया है, उन्होंने युवाओं से स्वामीजी के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नपाध्यक्ष बैतूल पार्वतीबाई बारस्कर ने आवहान किया कि युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण के लिए अपना सहयोग देना चाहिए। जिला पंचायत सदस्य राजा ठाकुर ने विचार व्यक्त करते कहा कि स्वामी जी ने जो विचार देश और समाज को दिया है, वह समय से परे हर पीढी को प्रेरित करने वाला हैं। मुख्य वक्ता शिक्षक नरेश लहरपुरे ने अपने उद्बोधन में कहा गया कि स्वामी विवेकानंद ने संपूर्ण विश्व के सामने अपने वेदांत दर्शन और आध्यात्म के माध्यम से भारत देश की छवि प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत की, उन्होंनेने कहा कि व्यक्ति को अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानना है, और समाज को कुछ देने की प्रवृत्ति सदैव बनाए रखना है, स्वामी विवेकानंद के उदघोष वाक्य उठो जागो, और लक्ष्य पाने तक रुको मत, का विस्तार से वर्णन करते हुए उन्होंने युवाओं को लक्ष्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। यातायात प्रभारी गजेंद्र केंद्र द्वारा सभी को यातायात नियमों के विषय में जानकारी प्रदान की एवं यातायात नियमों को पालन करने का सभी से अनुरोध किया। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद के परामर्शदाता सुनील पवार एवं अतिथियों का आभार प्रदर्शन ब्लॉक समन्वयक घोड़ाडोंगरी संतोष सिंह राजपूत द्वारा किया गया।

ग्राम पंचायत भवन में मन की बात कार्यक्रम का आयोजन

प्रधानमंत्री की जनहित योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का संकल्प

भौरा। रविवार को ग्राम पंचायत भवन में बूथ क्रमांक 32 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक गंगा सज्जनसिंह उईके ने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री के विचारों और योजनाओं को सुना। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई जनहित योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाना और जनता को इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के बाद विधायक गंगा सज्जनसिंह उईके ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनहित योजनाओं के माध्यम से हर वर्ग के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास किया है। उज्ज्वला योजना ने रसोईघर से धुएं को हटाया है, प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों को घर दिलाया है, और आयुष्मान भारत योजना ने हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की है। हमें इन योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का प्रयास करना

चाहिए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इससे वंचित न रहे। कार्यक्रम के अंत में विधायक ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय रहने और जनहित योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की हर योजना का उद्देश्य गरीब, किसान, महिलाएं और युवा वर्ग को लाभ पहुंचाना है। यदि कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगे, तो इन योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को मिलेगा। कार्यक्रम में उपस्थित मंडल उपाध्यक्ष जया किशोर मिश्रा ने कहा, प्रधानमंत्री की योजनाओं का उद्देश्य हर गरीब और जरूरतमंद तक राहत पहुंचाना है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी सही ढंग से जनता तक पहुंचे।कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने भी जनहित योजनाओं से अपने जीवन में आए बदलाव साझा किए। ग्राम की सरपंच मीरा धुर्व ने कहा की प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हमारे गांव में कई परिवारों को पक्के घर मिले हैं, जो पहले झोपडयिों में रहते थे। यह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हुई है। उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने इन योजनाओं का लाभ उठाने और दूसरों को भी प्रेरित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष जया किशोर मिश्रा, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिलीप माधव, असीम सिकदर, अर्जुन खंडेलवाल, उत्तम वर्मा, नरेंद्र राठौर, मनीष खंडेलवाल और पालू सरदार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

उम्मीदों का सुरमय सफर श्री जानकी बैंड ऑफ वूमन

इंदौर। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आधुनिकता के साथ जोड़ने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है श्री जानकी बैंड ऑफ वूमन। मध्य प्रदेश के जबलपुर की कॉलेज छात्राओं द्वारा स्थापित इस बैंड ने देशभर में न केवल अपनी अनूठी प्रस्तुति से पहचान बनाई है, बल्कि साहित्य और संगीत के संगम का एक प्रेरणादायक मॉडल भी प्रस्तुत किया है। यह समूह केवल एक बैंड नहीं, बल्कि कला और साहित्य का एक ऐसा समागम है, जिसने इस शहर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है।

हाल ही में झंडा उंचा रहे हमारा अभियान के अंतर्गत 19 जनवरी को इंदौर में सेवा सुरभि और वामा साहित्य मंच की पहल पर इस बैंड की अभिनव प्रस्तुति देखने का अवसर मिला। बैंड की युवतियों ने साहित्यिक क्षेत्र के नामचीन रचनाकारों की कविताओं को ताल, सुर और लय देकर इस तरह प्रस्तुत किया कि वह श्रोताओं के लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

आपदा के सन्नाटे को चीरती जबलपुर की इन वामाओं की कहानी भी उम्मीद और दृढ़ता का एक ऐसा उदाहरण है, जो हर किसी को प्रेरित करता है। श्री जानकी बैंड ऑफ वूमन की यात्रा कोरोना महामारी के कठिन दौर में शुरू हुई और आज यह बैंड कला, संस्कृति और नवाचार का प्रतीक बन चुका है।कोरोना महामारी के दौरान बनी यह टोली आज देशभर में 100 से अधिक प्रस्तुतियाँ दे चुकी है। पारंपरिक लोकगीतों को फ्यूजन

संगीत के जरिए नई पहचान देना, बैंड की रचनात्मकता और सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। जबलपुर के श्री जानकी रमण महाविद्यालय की कुछ वामाओं ने मिलकर इस बैंड की नींव रखी। प्रारंभ में यह एक साधारण म्यूजिकल ग्रुप था, जो छोटे-छोटे गीतों पर काम करता था। धीरे-धीरे, छात्राओं के प्रयासों और संगीत में उनके नवाचार ने इसे एक बड़े बैंड में परिवर्तित कर दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य अभिजात कृष्ण त्रिपाठी ने इसका नामकरण 'श्री जानकी बैंड ऑफ वूमन' किया, जो सीता माता के नाम पर आधारित है।

इस बैंड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह फिल्मी गीतों के बजाय भारतीय लोकगीतों और हिंदी साहित्य के महान कवियों की रचनाओं को प्रस्तुत करता है। कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान की 'झांसी की रानी' और माखनलाल चतुर्वेदी की 'पुष्प की अभिलाषा' जैसी कविताओं को अपनी धुनों में सजाकर इस बैंड ने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया है।

इस बैंड में 15 से 28 वर्ष की वामाएं शामिल हैं, जो गायन और वादन दोनों में निपुण हैं। यह बैंड एक ऐसा मंच है, जहाँ न केवल गायन स्वर वामाओं का है, बल्कि मुख्तलिफ़ साज़ों को बजाने वाली भी वामाएं हैं। हारमोनियम जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों से लेकर गिटार जैसे आधुनिक उपकरणों का अद्भुत संयोजन इस बैंड को विशेष बनाता है। सुन्दर पोशाकों में जब ये युवतियाँ मंच पर आती हैं, तो उनके आत्मविश्वास और जुनून को देखकर मन स्वतः निहाल हो उठता है।

यह बैंड केवल संगीत का समूह भर नहीं है; यह भारतीय साहित्य और लोक परंपरा का जीवंत चित्रण है। इन युवतियों का कोरस जब हिंदी साहित्य की भूली-बिसरी कविताओं और लोक संगीत को सुरों में पिरोता है, तो वह श्रोताओं को साहित्यिक और सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाता है। सुभद्रा कुमारी चौहान की 'झांसी की रानी' और माखनलाल चतुर्वेदी की 'पुष्प की अभिलाषा' जैसी कविताओं को नए सुरों में सजाकर प्रस्तुत करना इस बैंड की विशेषता है।

बैंड की सफलता के पीछे संगीत शोधार्थी डॉ. शिप्रा सुल्झेरे और रंगमंच कलाकार सरदार दविंदर सिंह ग्रोवर का मार्गदर्शन है। आवाज़ के इन बिखरे हुए मोतियों को एक माला में पिरोने का काम किया सरदार दविन्दर सिंह ग्रोवर ने किया है। वे रंगमंच के कलाकार हैं। नाटकों में कई किरदार निभा चुके हैं और जबलपुर में नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था के संचालक हैं। दविन्दर के कानों में जब शब्द और नाद की हमजोली में निखरा इन तरूणियों का संगीत गूँजा तो वे सम्मोहित हो गये। पूरा कुनबा ही महिला संगीतकारों का उनके सामने था। वहीं इन तरूणाई को एकजुट करने वाली नेपथ्य की शक्ति डॉ. शिप्रा सुल्झेरे हैं। वे संगीत की शोधार्थी रही हैं। भक्ति काल की कविता पर उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की है।

वीडी शर्मा ने श्री पशुपतिनाथ मंदिर में सुनी 'मन की बात'

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, पूर्व मंत्री दीपक जोशी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा, जिला अध्यक्ष रवींद्र यति ने श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। मन की बात सुनने के बाद विष्णुदत्त शर्मा ने श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज मंदिर में पूजन-अर्चन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी जी ने अंतरिक्ष से लेकर देश की आजादी तक की बात की। यह कार्यक्रम इसलिए भी खास रहा कि क्योंकि हम सभी ने यह कार्यक्रम नेपाली समाज के लोगों के साथ बैठकर सुना, जो देश के विकास में पूरी कर्मठता के साथ अपना योगदान दे रहे हैं।इस अवसर पर पार्षद अशोक वाणी, श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज के अध्यक्ष लोकमणि घिमिर पूर्व अध्यक्ष दिवाकर अर्याल, लीलामणी पाण्डे, प्रमुख सलाहकार विष्णुप्रसाद शर्मा, पूर्व प्रमुख सलाहकार लोकनाथ तिमिल्सेना, महामंत्री सुरेश पाण्डे, उपाध्यक्ष शिव गुरूंग, माया पाण्डे, पदमा भूर्तेल आदि उपस्थित थे।

7 मिनट भी नहीं चला सात जन्मों का बंधन

शादी के रस्म के दौरान दूल्हे की मौत

फेरे लेते समय दूल्हे को आया हार्ट अटैक

सागर (नप्र)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शादी के दौरान दूल्हे की मौत हो गई। शादी की आधी रस्म पूरी कर ली गईं थी जबकि आधी रस्में बाकी थी।

इसी दौरान दूल्हे को आर्ट अटैक आया और फिर उसकी मौत हो गई। जिससे शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। अचानक हुई इस घटना ने सभी को हैरान कर दिया। यह घटना तब हुई जब दूल्हा और दुल्हन 7 फेरे ले रहे थे, फेर लेते समय दूल्हे के सीने में अचानक दर्द उठा और वह मंडप में ही गिर गया।

मातम में बदली खुशियां

इसके बाद वहां मौजूद रिश्तेदारों ने और परिजनों ने उसे उठाने का प्रयास किया। जब वह नहीं उठा, तो तत्काल ही उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां ईसीजी करने और अन्य जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। यह खबर सुनते ही घरातियों और बारातियों के पैरों तले से जमीन के साथ गई। किसी को कुछ समझ ही नहीं आया कि यह अचानक क्या हो गया, जिसने भी यह घटना सुनी उसकी आंखों से आंसू बहने लगे।

बसने से पहले ही उजड़ गया संसार

हर कोई इस घटना से दुःखी है और दुल्हन का घर बसने से पहले ही उजड़ गया। दरअसल, हर्षित की शादी शहर के तिली वार्ड में स्थित कैलाश मानसरोवर होटल से की जा रही थी। रात में धूमधाम से घोड़ागाड़ी, बैंड बाजा, डीजे और शानदार लाइटिंग के साथ बारात लगाई गई थी। सभी लोग बहुत खुश थे। परिजन रिश्तेदार दोस्त खूब नाचते रहे, इसके बाद रात करीब 12 बजे वरमाला का कार्यक्रम हुआ। इसके बाद करीब 2 से 3 घंटे तक फोटो सेशन चला। दूल्हा-दुल्हन साथ में खाना खाया और कुछ समय आराम करने की बात सुबह करीब 6 बजे सात फेरे की लेने की तैयारी होने लगी।

फेर के दौरान आया अटैक

शादी के दौरान सात जन्मों का साथ निभाने के लिए फेरे लेने की रस्म शुरू हुई थी। लेकिन फेरे पूरे हो पाते उससे पहले ही दूल्हा अचानक चक्कर खाकर गिर गया। लोगों की समझ में नहीं आया कि क्या हो गया। जब हर्षित ने आंखें नहीं खोली को उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूल्हे का खुद का मेडिकल स्टोर है।

आपके सहयोग से ग्वालियर उप नगर की बदल रही है तकदीर और तस्वीर : ऊर्जा मंत्री तोमर

ऊर्जा मंत्री ने 366 हितग्राहियों को वितरित किए प्रमाण-पत्र

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को 366 हितग्राहियों को कामकाजी कार्ड, आयुष्मान कार्ड, विधवा पेंशन और राशन पात्रता पर्चियों का वितरण रेसकोर्स रोड स्थित 38 नम्बर कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में किया। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, लेकिन यह सब हो पा रहा है ईश्वर की कृपा से वर्ना हम और आप तो निमित्त मात्र हैं। लेकिन आप और आपका सेवक जागरुक है इसलिए यह सब संभव हो पाया है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने राज्य और केन्द्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 366 हितग्राहियों को हित लाभ के प्रमाण-पत्र वितरित किए गये। इसमें 116 महिलाओं को महिला कामकाजी कार्ड 116, 112 हितग्राहियों को राशन पात्रता पर्ची, 26 वृद्धजनों को वृद्धावस्था पेंशन, 13 बहिनों को कल्याणी पेंशन, 2 लोगों को निःशक्तजन पेंशन प्रमाण पत्र तथा 98 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा यह सेवक आपकी सेवा के लिए कार्य कर रहा है। आज ग्वालियर उप नगर की तस्वीर और तकदीर बदल रही है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन, केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया और आप सभी के सहयोग से संभव हो सका है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि उपनगर ग्वालियर में सिविल अस्पताल हजीरा आपने पहले भी देखा था और आज भी देख रहे हैं। इसी तरह पटेल स्कूल पहले किस स्थिति में था और अब किस स्थिति में है। यह सब आपकी आंखों के सामने है। उन्होंने कहा कि यह सब इसलिए है, क्योंकि आपका सेवक जागरुक है। स्मार्ट स्कूल, स्वास्थ्य सेवाएं हमारे आने वाली पीढ़ियों के काम आएंगे।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा कि हमें स्वच्छता के मामले में ग्वालियर को इंदौर बनाना है। अपने घर को अपनी गली को स्वच्छ रखना, हमें अपनी आदत में शामिल करना होगा। तभी हम स्वच्छ ग्वालियर के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। ऊर्जा मंत्री ने कहा वह नियमित रूप से फेसबुक पर लाइव होते हैं और आप भी इसके जरिए मुझसे जुड़ सकते हैं। श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा हम सभी संकल्प लें कि हमें नशा मुक्त और स्वच्छ ग्वालियर बनाना है। उन्होंने अपने बड़े भाई को याद करते हुए कहा कि लंग्स इन्फेक्शन के कारण उनका निधन हुआ। यह इंफेक्शन प्रदूषण के कारण हुआ।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने न्यायाधीश जीपी सिंह की जीवनी का किया विमोचन

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने न्यायाधीश श्री जीपी सिंह के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और कहा कि वे सिर्फ एक व्यक्ति ही नहीं, बल्कि एक संस्था थे। उनके कर्म, ज्ञान व चरित्र की त्रिवेणी से समाज को एक नई दिशा मिलेगी। उनके द्वारा दिये निर्णय न्याय क्षेत्र में आधार बन जाते हैं। उन्होंने विंध्य तथा मध्यप्रदेश का नाम ऊंचा कर लोकतंत्र को सही राह दिखाने का वरदान दिया। समाज में दिशाहीनता को समाप्त करने के लिए ऐसे आदर्शों व चरित्रों पर लिखी जीवनी को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है, ताकि आने वाली पीढ़ियां ऐसे महान चरित्र को पहचान सके और बुराईयों को दूर करने में अपना योगदान दे सके। न्यायाशीध श्री

जीपी सिंह समाज के ऐसे धरोहर व विभूति है जिससे समाज प्रेरणा लेता रहेगा। इस अवसर पर मंचस्थ न्यायाधीशों ने भी न्यायाधीश श्री जीपी सिंह के जीवन से जुड़े उल्लेखनीय कार्यों का जिक्र किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विंध्य भवन कटंगा जबलपुर में न्यायाधीश श्री जीपी सिंह की जीवनी का विमोचन किया।

उल्लेखनीय है कि उक्त जीवनी वरिष्ठ अधिवक्ता श्री वीएस श्रोती ने लिखा है। इस अवसर पर जस्टिस श्री आरएस झा, जस्टिस श्री पीपी नावलेकर, जस्टिस श्री वीके शुक्ला, महाधिवक्ता श्री प्रशांत सिंह, पूर्व महाधिवक्ता श्री आरएन सिंह सहित विधि जगत के ख्यातिलब्ध न्यायाधीश मौजूद थे। विमोचन समारोह में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद श्री आशीष दुबे सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजदू थे।

एम्स भोपाल में साक्ष्य-आधारित जीवनशैली प्रबंधन पर व्याख्यान का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग ने साक्ष्य-आधारित जीवनशैली प्रबंधन- पोषण, मनोरंजन, उचित नींद, और सामाजिक जुड़ाव विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। इस व्याख्यान की मुख्य वक्ता एम्स नागपुर की डीन (अकादमिक) और शरीरक्रिया विज्ञान विभाग की प्रोफेसर एवं प्रमुख (डॉ.) मृणाल फातक थीं। प्रो. फातक ने गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम और प्रबंधन में जीवनशैली हस्तक्षेपों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संपूर्ण पौध-आधारित आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, उचित नींद, स्वच्छता और सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देने जैसी साक्ष्य-आधारित रणनीतियाँ साझा कीं, साथ ही वास्तविक जीवन के मामलों के अध्ययन द्वारा इन रणनीतियों के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाया। प्रोफेसर फातक ने व्यायाम के लिए एफआईटीटी सिद्धांत (आवृत्ति, तीव्रता, समय, प्रकार) और तनाव प्रबंधन के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

जिजामाता सम्मान समारोह में शामिल हुए दत्तात्रेय होसबोले

सीएम की मौजूदगी में 6 खिलाड़ियों की माताओं का हुआ सम्मान

भोपाल। रविन्द्र भवन में क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित जिजामाता सम्मान समारोह में सीएम मोहन यादव ने कहा कि जब बेटा मैडल लेने वाला होता है तब मां के मन में क्या चल रहा होता है। मां को ये चिंता होती है कि बेटे को चोट न लग जाए। तो मां उस वक्त खेल देखने के बजाय जब बेटा जीत जाता है उस वक्त टीवी देखती है। ये मां की आत्म होती है। क्रीडा भारती के माध्यम से खेल की संक्रांति को सामने लाने का प्रयास सराहनीय है।

कार्यक्रम के दौरान संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कहा भोपाल में क्रीड़ा भारती ने यह आयोजन करके यहां के लोगों को मौका दिया। खिलाड़ियों की माताओं का सम्मान किया है। खिलाड़ी मैदान में खेलते हैं और पदक मिलता है तो हम सबको अच्छा लगता है। उनसे परिचय नहीं लेकिन खुद को गर्व महसूस होता है। तो हम अपनी कॉलर ऊपर करके घूमते हैं।

ऐसे लोगों के पीछे जिन्होंने त्याग और परिश्रम किया खिलाड़ियों के पीछे जिन्होंने सबल दिया उनकी भी उतनी ही भूमिका है। क्रीडा भारती ने जिजामाता की तरह प्रयास किया। जिजामाता कुशल प्रशासक थीं। जब महिला गर्भवती होती है। तब तरह-तरह की इच्छा होती है। लेकिन जिजामाता ने कहा मुझे कोमल संगीत नहीं बल्कि जंगल में शेर पर बैठकर शिकार करने की इच्छा है। जब जिजामाता ने ऐसे विचार रखे तो उनके बेटे शिवाजी ने विशाल हिंदवी स्वराज्य का साम्राज्य स्थापित किया।

दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कुछ ही खेलों का आगे बढ़ना हितकारी नहीं। सभी प्रकार के खेलों को आगे बढ़ना चाहिए। खो-खो का प्रथम वर्ल्ड कप भारत में हो रहा है। जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों की प्रतियोगिता में भारत के नंबर नीचे होने पर दुख होता था। आज भारत के नंबर ऊपर हैं।

भारतीय खेलों को आगे बढ़ाने के लिए क्रीड़ा भारती ने जिजामाता के नाम से सम्मान करने का निर्णय किया। इसके लिए क्रीड़ा भारती साधुवाद का पात्र है। बेटा कभी गड़बड़ हो सकता है लेकिन माता कुमाता नहीं हो सकती। आज नौजवानों में कई प्रकार की गलत आदतें बढ़ रही हैं। नशा, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, हिम्मत हारना, आत्महत्या करना ये युवाओं के अंदर क्यों हो रहा है। अच्छे संस्कार देना ये सरकार का अकेले काम नहीं परिवार के अंदर संस्कार देना चाहिए। इसके लिए खिलाड़ियों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

समाज में दो प्रकार के लोग होते है। एक पदक लाकर देश का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ी, दूसरे हैं राष्ट्र की सीमा की रक्षा करने वाले सैनिक। इनकी कोई भाषा जाती नहीं होती। सैनिक सिर्फ देश का होता है। वो किसी क्षेत्र गांव से आए लोग उसके माता पिता का सम्मान करते है । उसी प्रकार खिलाड़ी किस प्रांत से है लेकिन उसकी पहचान होती है भारत का खिलाड़ी। वो जब जीतता है तो भारत का झंडा उठाता है।

कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया, खेल मंत्री विश्वास सारंग और मंत्री चैतन्य काश्यप मौजूद भी मौजूद रहे।

देशभर के नामी खिलाड़ियों की माताओं को किया गया सम्मानित

सरोज चोपड़ा - जैवलिन थ्रो ओलंपिक गोल्ड विजेता नीरज चोपड़ा की मां

उषा श्रीजेश - हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश की मां का सम्मान

कमला देवी - इटारसी निवासी हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर की मां

श्वेता लेखरा - पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता शूटर अवनि लखेरा की मां

मोनी देवी - ओलिंपिक बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन की मां

हमीदिया अस्पताल में आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाने का निर्णय

अब जूडा ने डीन को लिखा पत्र, पुर्नविचार करने की रखी बात

भोपाल (नप्र)। हमीदिया हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने 400 कर्मचारियों को हटाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बीच 50 से अधिक कर्मचारियों को इस महीने की 20 तारीख तक सेवा समाप्ति के लेटर दिए जा चुके हैं। गांधी चिकित्सा महाविद्यालय के अंतर्गत स्थित हमीदिया चिकित्सालय में आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाने के फैसले पर अब जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के सदस्यों ने जीएमसी डीन को पत्र लिखा है।

जूडा ने इसे अस्पताल के संचालन और कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति पर गहरा असर डालने वाला बताया है। एसोसिएशन ने एक पत्र में जीएमसी डीन से अपील करते हुए कहा कि इस निर्णय से अस्पताल के सुचारू संचालन में समस्या आ सकती है। साथ ही इन कर्मचारियों के परिवारों की आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होगी। उन्होंने इस फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है। कर्मचारियों की सेवाओं को बरकरार रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है। जूडा के अध्यक्ष डॉक्टर कुलदीप गुप्ता ने बताया कि जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने यह भी कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के लिए अत्यधिक कठिनाई पैदा कर सकता है।

बरखेड़ा पठानी स्थित कब्रिस्तान बदहाल

असामाजिक तत्वों का बन रहा अड्डा, वक्फ बोर्ड से तत्काल कार्रवाई की मांग

भोपाल (नप्र)। शहर के बरखेड़ा पठानी स्थित एक और कब्रिस्तान की इन दिनों हालत खराब है। इस कब्रिस्तान की सुरक्षा समिति तो मौजूद है, लेकिन यहां की बदहाली और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों के कारण स्थिति बिगड़ती जा रही है। कब्रिस्तान में दफनाए गए लोगों की शांति और सम्मान की रक्षा के लिए कोमी खिदमगार भोपाल के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद इमरान हारून ने मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

हाजी मोहम्मद इमरान ने बताया कि यह कब्रिस्तान वर्षों से असामाजिक तत्वों के लिए अय्याशी का अड्डा बन चुका है। यहां शराब पीने, खुले में शौच करने और कचरा फेंकने जैसी गतिविधियां चल रही हैं। पूर्व वक्फ बोर्ड के पदाधिकारियों द्वारा कई बार इस मुद्दे पर आवाज उठाई गई। लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अब यह कब्रिस्तान धीरे-धीरे कचरा घर में तब्दील हो रहा है और इसके अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। इस संबंध में वक्ता बोर्ड के अध्यक्ष सनव्वर पटेल ने कहा कि अगर कोई ऐसी बात है तो हमें लिखित में शिकायत करें हम इसमें तत्काल कार्रवाई करेंगे।

1940 में बना था यह कब्रिस्तान

हाजी इमरान हारुन ने बताया कि यह कब्रिस्तान 1940 का बताया जाता है और बरखेड़ा पठानी में स्थित है। हाजी इमरान ने वक्फ बोर्ड से अनुरोध किया है कि शहर के सभी कब्रिस्तानों की स्थिति का जल्द संज्ञान लिया जाए और इस कब्रिस्तान के संरक्षण के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं।

ताकि भविष्य में किसी भी और कब्रिस्तान की स्थिति ऐसी न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समय रहते इस कब्रिस्तान की सुरक्षा और संरक्षण की ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो कुछ ही सालों में यहां मल्टीप्लेक्स जैसी बिल्डिंग्स बन सकती हैं।

इंदौर में चलते टैंकर से गैस का रिसाव, ट्रैफिक डायवर्ट

बायपास पर खड़े कई वाहन; इमरजेंसी के लिए मौके पर पहुंची कई एंबुलेंस

इंदौर। इंदौर में रविवार को एक चलते टैंकर से लिक्विड अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। इससे वहां मौजूद लोगों की आंखों और हाथ-पैरों में जलन होने लगी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों तरफ से रास्ता बंद कर ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया था।

घटना तेजाजी नगर बायपास की है। गैस को वातावरण में फैलने से रोकने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम पानी डाल रही है। कंपनी के टेक्नीशियन को मौके पर बुलवाया गया है। वह आकर लीकेज बंद करेगा। मौके पर इमरजेंसी के लिए कई एंबुलेंस भी बुलाई गई थी।

फांसी के फंदे पर झूली विवाहिता

परिजनों का आरोप- दहेज के लिए प्रताड़ित करता था पति, बॉडी पर चोटों के निशान का दावा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के तलैया इलाके में रहने वाली महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। शनिवार की रात वह चार साल के बेटे के साथ घर में अकेली थी। तब उसने यह कदम उठाया है। मृतका के परिजनों ने पति पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। परिजनों का दावा है कि महिला के शरीर पर चोटों के निशान हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। समरीन खान पति आमिर खान (26) सेंट्रल लाइब्रेरी के पास किराए का मकान लेकर रहती थी। वह गृहिणी थी और दो बच्चों की मां थी। पति आमिर फर्नीचर पेंटिंग का काम करता है। आमिर ने पुलिस को बताया कि वह बच्ची को लेकर शनिवार की रात को चेकअप के लिए डॉक्टर के पास गया था। लौटने पर उसने पत्नी को फंदे पर लटका हुआ देखा। फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद में उसे मृत घोषित कर दिया।

नहीं मिला सुसाइड नोट: थाना प्रभारी सीबी राठौर ने बताया कि सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। एफएसएल की टीम से मौका मुआयना करा लिया है। परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय करेंगे।

मौत की सूचना भी नहीं दी

मृतका के भाई समद ने बताया कि बहन ने 7 साल पहले लव मैरिज की थी। आने वाली 3 मार्च को उनकी एनीवर्सरी थी। पिछले महीने दो साल की बेटी एनौर का जन्मदिन धूमधाम से सेलिब्रेट किया था। मां से लगभग हर रोज बात करती थीं।

शनिवार दोपहर को उन्होंने मां से बात की थी। हालांकि कोई खास परेशानी का जिक्र तब नहीं किया था। इसके बाद उनका फोन स्विच ऑफ हो गया। शाम को कॉल करने पर बात नहीं हो सकी। हमने इसे नार्मल लिया, रात को जीजा के दोस्त ने कॉल पर बहन की मौत की सूचना दी। अस्पताल पहुंचे तो जीजा ने मौत की अलग-अलग कहानी बताई। पहले बताया कि बेटी को लेकर डॉक्टर के पास गया था, इस बीच बहन ने फांसी लगाई। बाद में कुछ और बताने लगा। बहन पूर्व में कई बार जीजा द्वारा दहेज में सामान और रकम लाने का दबाव बनाने की बात बता चुकी थी। उसके शरीर पर भी चोट के निशान हैं।हमें यकीन है कि बहन के साथ कुछ गलत हुआ है, जिसे आत्महत्या दिखाने की कोशिश की जा रही है।

भोपाल में आर्मी-मैराथन में दौड़े 5 हजार से ज्यादा प्रतिभागी

सेना के सम्मान में पूर्व सैनिकों समेत देशभर से आए धावक, तीन कैटेगरी में हुई दौड़

भोपाल (नप्र)। भोपाल में मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड और भारतीय सेना के तत्वावधान में 'आर्मी मैराथन 2025' का आयोजन रविवार सुबह 6 बजे से किया गया। यह मैराथन योद्धा स्थल द्रोणाचल (एयरपोर्ट रोड) से शुरू होकर लालघाटी चौराहा, कोहेफिजा चौराहा (वीआईपी रोड), कमला पार्क, पॉलिटेक्निक चौराहा होते हुए वापस योद्धा स्थल पर समाप्त हुई। योद्धा स्थल से सुबह 6:30 बजे पहली कैटेगरी, 21 किमी की दौड़, शुरू हुई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त निदेशक शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि यह आयोजन सेना दिवस और विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को समर्पित है। इस मैराथन में लगभग 6,000 धावकों ने हिस्सा लिया। यह मैराथन 3 कैटेगरी 21.09 किमी, 10 किमी और 5 किमी में आयोजित की गई।

पहले दुश्मनों से लड़े, अब देश की सफाई में जुटे

मैराथन में 10 किमी कैटेगरी में हिस्सा लेने पहुंचे पैरा कमांडो अशोक तिवारी (58) पैरा एसएफ की 7वीं बटालियन से रिटायर्ड हैं। उन्होंने बताया कि सेना से सेवा निवृत्ति के बाद अब तक 100 से अधिक मैराथन दौड़ चुके हैं। उनके शरीर में 7 जगह फैक्चर और 4 जगह गोलियों के निशान हैं, लेकिन वे अभी भी देश को 'फिट और हिट' बनाने के लिए समर्पित हैं। मैराथन के अलावा वे युवाओं को फिटनेस के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ सामूहिक स्वच्छता कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं। इस मैराथन में उन्होंने हाथ में तिरंगा लेकर दौड़ लगाई।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भरा जोश: आयोजन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल थे। देशभक्ति गीतों पर कथक नृत्य, जुम्बा डांस और मल्लखंभ के प्रदर्शन ने धावकों में जोश भर दिया। युवा प्रतिभागी देशभक्ति गीतों पर झूमते नजर आए।

बच्चों ने किया मलखंभ का प्रदर्शन: इस आयोजन में मलखंभ का प्रदर्शन भी किया गया। 14 साल के युवराज ने बताया कि वे कई राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में पदक जीत चुके हैं। वे सेना के जवानों के सम्मान में अपनी टीम के साथ प्रदर्शन करने आए थे। उनके साथ 8 साल के मलखंभ खिलाड़ी गुरतेज सिंह भी मौजूद थे। युवराज का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि 2036 में भारत में ओलिंपिक का आयोजन होने से पहले मल्लखंभ को अंतर्राष्ट्रीय खेलों में शामिल कर लिया जाए, जिससे कि वे भी देश के लिए मेडल जीत सकें।

10 लाख रुपए तक का पुरस्कार: 3 कैटेगरी में होने वाली इस दौड़ में आकर्षक प्रायोजित पुरस्कारों के अलावा 10 लाख रुपए तक के नकद पुरस्कार भी दिए गए। मैराथन में 3 कैटेगरी में अलग-अलग कैटेगरी के विजेताओं को इतने रुपए दिए गए

हाफ मैराथन (21.09 किमी)-5.30 लाख रुपये

10 किमी- 2.64 लाख रुपये

5 किमी- 1.87 लाख रुपये

हॉट एयर बैलून ने खींचा ध्यान

कार्यक्रम में भारतीय सेना का हॉट एयर बैलून विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। सेना के अधिकारियों ने बताया कि मिलिट्री ऑपरेशन्स के साथ-साथ एडवेंचर स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए सेना ने इस बैलून को शामिल किया।

सेना दिवस के अवसर पर हुई मैराथन: भारतीय सेना के सुदर्शन चक्र कोर द्वारा इस आर्मी मैराथन का आयोजन सेना दिवस (15 जनवरी) के उपलक्ष्य में किया गया। यह दिन जनरल केएम करियप्पा द्वारा 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ का पदभार संभालने की याद में मनाया जाता है।

पश्चिम एमपी मुख्यालय सब एरिया के तत्वावधान में भोपाल में यह पहला खेल आयोजन था। इसका उद्देश्य 'आर्मी मैराथन' को खेल जगत में एक प्रतिष्ठित आयोजन बनाना और इसे फिट इंडिया अभियान के साथ जोड़कर वार्षिक मैराथन कैलेंडर का हिस्सा बनाना है।

॥ मंदिरम् ॥ 16

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग, महाराष्ट्र

विश्व प्रसिद्ध द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से तीन पावन ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर विराजित है। लेकिन यहां एक ज्योतिर्लिंग ऐसा है जिसके बारे में तीर्थयात्रियों का मानना है कि यहां की यात्रा करने से सभी 12 ज्योतिर्लिंगों की पूजा करने का लाभ मिलता है। हम बात कर रहे हैं दौलताबाद से 12 मील दूर वेरुळ गांव के पास स्थित घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के बारे में। इसे घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग के नाम से भी जाना जाता है। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में सबसे आखिरी में घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग का नाम आता है। यहां मान्यता है कि जो निःसंतान दम्पत्ति सूर्योदय से पूर्व शिवालय सरोवर के दर्शन के बाद घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करता है उसे संतान की प्राप्ति होती है। आपको बता दें कि इस मंदिर का उल्लेख शिव पुराण और पद्म पुराण में भी किया गया है। बताया जाता है कि यह मंदिर 3 हजार साल पुराना है। इस ज्योतिर्लिंग की एक और खास बात यह है कि यह पूर्वमुखी है, सर्वप्रथम स्वंय सूर्यदेव इनकी आराधना करते हैं।

जबलपुर में डिप्टी सीएम का विपक्ष पर हमला

कहा- कांग्रेस का इतिहास संविधान के अपमान करने का रहा, राहुल-केजरीवाल पर साधा निशाना

जबलपुर(नप्र)। डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने जबलपुर में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास हमेशा संविधान का अपमान करने और राजनीतिक लाभ के लिए उसको तोड़-मरोड़ के पेश करने का रहा है। उन्होंने कांग्रेस की 'संविधान बचाओ यात्रा' को लेकर तंज कसते हुए कहा कि यह केवल एक राजनीतिक दिखावा है। जनता में इसका कोई असर नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बयानों को उनकी अपनी पार्टी के लोग भी गंभीरता से नहीं लेते, इसलिए आम जनता को भी उन पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। डिप्टी सीएम शुक्ल रविवार को अल्प प्रवास में जबलपुर पहुंचे थे।

केजरीवाल के राजनीतिक करियर के अंत की शुरुआत: डिप्टी सीएम ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके ईमानदारी के दावों की पोल खुल चुकी है। उन्होंने दिल्ली शराब घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि केजरीवाल की नीतियां लोगों को धोखा देने वाली साबित हुई है। अब जनता ने भी उन्हें नकार दिया है। उनके राजनीतिक करियर के अंत की शुरुआत हो चुकी है।

बाबा साहब को सम्मान दिलाने का काम बीजेपी ने किया: उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर की हमेशा उपेक्षा की गई है लेकिन उनका सम्मान दिलाने का काम बीजेपी ने किया है।

इंडिया गठबंधन पर कसा तंज: राजनीतिक गठबंधनों पर चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इंडिया गठबंधन को लेकर कहा कि यह गठबंधन केवल भाजपा को रोकने के उद्देश्य से बना है और इसका कोई सिद्धांत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि यह गठबंधन जल्द ही बिखर जाएगा।

जबलपुर कैंसर अस्पताल में लगेंगी अत्याधुनिक मशीनें

जबलपुर के विकास पर बोलते हुए उन्होंने स्थानीय कैंसर अस्पताल का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल को आधुनिक बनाने के लिए अत्याधुनिक मशीनें जल्द ही उपलब्ध होंगी। लीनैक मशीन और प्रेटिक स्कैन की स्थापना के बाद यह अस्पताल एक आदर्श कैंसर केंद्र बन जाएगा।

बिहार की राजनीति पर दिया बयान

डिप्टी सीएम ने बिहार की राजनीति पर कहा कि नीतीश कुमार एनडीए में थे और एनडीए में ही रहेंगे। उन्होंने इस दौरान आरजेडी पर भी निशाना साधते हुए कहा की आरजेडी में भी लोग कई गुटों में बटे हैं। और बिहार में एनडीए की ही सरकार बनेगी।

म.प्र. के 5 जिलों में कोल्ड-डे का अलर्ट

आगर-मालवा में कोहरे से बस पलटी मऊगंज में 50 मीटर रही विजिबिलिटी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में रविवार सुबह कहीं मध्यम तो कहीं घना कोहरा छाया रहा। मऊगंज में 50 मीटर तक विजिबिलिटी रही। घने कोहरे की वजह से आगर-मालवा में बस पलट गई। हादसे में 17 लोग घायल हो गए। दूसरी तरफ, इंदौर में सुबह से मौसम साफ है। मौसम विभाग ने आज शाजापुर, सीहोर, रायसेन, रतलाम और सिंगरौली में कोल्ड-डे का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, बर्फीली हवा से प्रदेश ठिठुर रहा है। अगले 3 दिन कोहरे और कोल्ड-डे का अलर्ट है।

कोहरे के चलते स्लीपर कोच बस पलटी, 17 घायल

आगर-मालवा में घने कोहरे के चलते स्लीपर कोच बस अज्ञात वाहन से टकरा गई। 17 यात्री घायल हो गए। हादसे में ढाई साल का बच्चा और उसका पिता बस के नीचे फंस गए, जिन्हें बचाव दल ने बाहर निकाला। सभी घायलों को सुसनेर के सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल एक यात्री को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मऊगंज में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। सड़कों पर इक्का-दुक्का लोग ही दिखाई दिए। इंदौर में रविवार को मौसम साफ रहा।

स्कूलों में छुट्टी करने का सुझाव

मौसम विभाग ने पहली बार स्कूलों में छुट्टी करने का सुझाव भी दिया है। वहीं, अस्पतालों में पर्याप्त इलाज और मजदूरों के रात और सुबह के समय काम करने पर रोक लगाने की बात भी कही है।

अगले 2 दिन ऐसा रहेगा मौसम

20 जनवरी: ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में कोहरा रहेगा।

21 जनवरी: ग्वालियर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, दतिया, भिंड, मुरैना और श्योपुर में कोहरे का अलर्ट है।

ट्रैफिक जवान ने युवक को पीटा

राज्यपाल के काफिले के पास खड़े होने पर जड़ा थप्पड़ डीसीपी ने जांच के आदेश दिए

भोपाल (नप्र)। राजधानी के आनंद नगर चौराहे के पास एक ट्रैफिक पुलिस जवान द्वारा युवक से मारपीट करने का वीडियो सामने आया है। यह वीडियो शनिवार को वायरल हुआ, लेकिन इसकी तारीख अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। वायरल होने के बाद डीसीपी ट्रैफिक संजय कुमार सिंह ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

वीडियो में दिख रहा है कि एक युवक सड़क के किनारे खड़ा है और उसी समय राज्यपाल का काफिला गुजरता है। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस जवान युवक को धक्का मारकर सड़क पर गिरा देता है, फिर उस पर लात मारता है और गाल पर थप्पड़ भी जड़ देता है। इस घटना के दौरान किसी राहगीर ने इसका वीडियो बना लिया। डीसीपी ट्रैफिक संजय कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच एसीपी ट्रैफिक को सौंप दी गई है, और इस मामले में निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

छत्तीसगढ़ में अब बजेगी नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की डुगडुगी

खबर है कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने अब नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव कराने का फैसला कर लिया है। चर्चा है कि 20 जनवरी को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो जाएगी और चुनाव आचार संहिता लग जाएगी। चुनाव की घोषणा के पहले 19 जनवरी को रविवार की छुट्टी के दिन साय कैबिनेट की बैठक होगी। माना जा रहा है कि सरकार कैबिनेट में कुछ लोक लुभावन घोषणाओं के साथ अन्य घोषणाएं कर सकती है। राज्य में पहली बार नगरीय निकाय और पंचायतों के चुनाव एक साथ होंगे। उम्मीद है कि स्कूल-कालेज की परीक्षाओं को देखते हुए नगरीय निकाय और पंचायतों का चुनाव लंबा नहीं खिंचेगा। कायदे से नगरीय निकायों के चुनाव दिसंबर-जनवरी में निपट जाने चाहिए थे। महापौर और पालिका अध्यक्षों के कार्यकाल खत्म होने के बाद सरकार को वहां प्रशासक बैठाना पड़ा। बताते हैं कि पहले सरकार नगरीय निकाय और पंचायतों के चुनाव को लेकर असमंजस में थी। समय पर चुनाव न कराने को लेकर गलत संदेश जा रहा था। इस कारण सरकार ने अंततः कदम बढ़ा लिया। नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने साय सरकार पर समय पर चुनाव न कराने का आरोप लगाते हुए राज्यपाल को चिट्ठी लिखी थी।

पूर्व मुख्य सचिव के बुरे दिन

छत्तीसगढ़ के एक पूर्व मुख्य सचिव के अच्छे दिन नहीं चल रहे हैं। बताते हैं पिछले दिनों पूर्व मुख्य सचिव का सड़क हादसे में हाथ फैक्चर हो गया और उन्हें एक अस्पताल में कुछ दिनों तक भर्ती भी रहना पड़ा। कहते हैं पूर्व मुख्य सचिव स्वयं गाड़ी चला रहे थे। कभी भाजपा राज में पूर्व मुख्य सचिव का जलवा था। भाजपा राज में ही इनको कई सारे महत्वपूर्ण पद मिले। चर्चा है कि कभी भाजपा के चहेते रहे पूर्व मुख्य सचिव इन दिनों भाजपा नेताओं की आंख की किरकिरी बन गए हैं। खबर है कि दिग्गज भाजपा नेताओं की नाराजगी पूर्व मुख्य सचिव को भारी पड़ने वाली है। पिछली सरकार के कुछ घोटालों में पूर्व मुख्य सचिव का नाम सुर्ख़ियों में है। इसे ही कहते हैं ख़राब समय। जब समय ख़राब चलता है तो दुखों का पहाड़ टूटता है।कुछ-कुछ पूर्व मुख्य सचिव साहब के साथ भी होता नजर आ रहा है।अब देखते हैं आगे क्या-क्या होता है ?

रायपुर के दो भाजपा नेताओं में मल्ल युद्ध

कहते हैं महापौर प्रत्याशी के लिए रायपुर के दो भाजपा नेताओं में मल्ल युद्ध चल रहा है। दोनों अपनी पसंद की प्रत्याशी के लिए ताल ठोंक रहे हैं। रायपुर महापौर का पद सामान्य महिला के लिए आरक्षित हो गया है। इस कारण सामान्य वर्ग की कई महिला नेता भाजपा की तरफ से महापौर प्रत्याशी के लिए दावेदारी करनी शुरू कर दी हैं। अंतिम निर्णय भाजपा संगठन को करना है, लेकिन चर्चा है कि रायपुर के दो दिग्गज भाजपा नेता अपनी पसंद का उम्मीदवार चाहते हैं। बताते हैं एक नेता पार्षद सरिता दुबे की पैरवी में लग गए हैं तो दूसरे मीनल चौबे के लिए। मीनल चौबे रायपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष रही हैं। अब देखते हैं दोनों नेता में कौन महापौर प्रत्याशी के चयन में भारी पड़ता है ? वैसे दोनों नेताओं की राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता पुरानी है।

भाजपा के इनर सर्कल में नई इंट्री

कहते हैं भाजपा के इनर सर्कल में राजनांदगांव के एक नेता की इंट्री से भाजपा के पदाधिकारियों में पेट में दर्द शुरू हो गया। चर्चा है कि इस नेता को पिछले दिनों भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े को भोजन परोसते देख अब तक नेताओं के आगे -पीछे रहने वाले अचंभित हो गए और कानाफूसी करने लगे। बताते हैं राजनांदगांव के नेता रेत के कारोबार से जुड़े हैं, इस कारण भी विनोद तावड़े के करीब जाना भाजपा के कुछ पदाधिकारियों को चुभ गया। बताते हैं अब तक भाजपा के दो नेता ज्यादातर राष्ट्रीय नेताओं के आगे -पीछे नजर आते थे, एक तो 80 किलोमीटर दूर यात्रा कर रोजाना रायपुर आते हैं, दूसरे पार्टी में जमीनी पकड़ न होते हुए भी राष्ट्रीय अध्यक्ष तक अपनी पहुंच बनाए हुए हैं। वैसे राष्ट्रीय नेताओं के स्वागत-सत्कार के लिए तोहफे के तौर पर इस नेता को प्रदेश संगठन ने पंचायत चुनाव के लिए बनी प्रांतीय टीम में सदस्य बनाया है।

क्या अब ईडी भूपेश बघेल को घेरेगी ?

पूर्व मंत्री कवासी लखमा की गिरफ्तारी के बाद चर्चा होने लगी है कि ईडी की नजर अब पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर है। भूपेश सरकार में कवासी लखमा आबकारी मंत्री थे। कहा जा रहा है कि अब ईडी की अगली कार्रवाई कवासी लखमा के बयान पर निर्भर करेगा। बताते हैं ईडी को कवासी लखमा के खिलाफ कई सबूत मिल गए हैं। कवासी की गिरफ्तारी से सरकार में उनके आसपास रहने वाले अफसर और सहायकों पर भी ईडी की नजर है। अनपढ़ होकर पांच साल तक मंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने वाले कवासी अफसरों पर दोष मढ़कर भी बच नहीं पाए। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव से पहले कवासी की गिरफ्तारी से कांग्रेस को जबर्दस्त झटका लगा है। खासतौर से बस्तर इलाके में अब कांग्रेस के पास जमीन से जुड़े नेता की कमी हो गई है। खबर है कि स्थानीय चुनाव के पहले ईडी और एक्शन ले सकती है। इस कारण सभी की निगाह पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तरफ है।

किरण देव से दूर मंत्री की कुर्सी

जगदलपुर के विधायक किरण देव फिर छत्तीसगढ़ के भाजपा अध्यक्ष बन गए हैं। किरण देव पहले मनोनीत अध्यक्ष थे। अब चुने हुए अध्यक्ष बन गए हैं। बताते हैं वे तीन साल के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष होंगे। खबर है कि किरण देव की इच्छा तो मंत्री बनने की थी, पर हाईकमान ने उन्हें संगठन की जिम्मेदारी दे दी। कहते हैं भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष को कोई ख़ास रोल होता नहीं है। संगठन महामंत्री की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इस वजह से किरण देव संगठन से सत्ता की तरफ जाना चाहते थे। इसके अलावा हर विधायक की इच्छा मंत्री बनने की होती है, वही इच्छा किरण देव की भी बताई जाती है। बस्तर से अभी केदार कश्यप ही मंत्री हैं। वहां से एक मंत्री बनाए जाने की गुंजाइश तो है। किरण देव के संगठन मुखिया बनने से बस्तर से किसी और आदिवासी विधायक को मौका मिलने की संभावना है। चर्चा है किरण देव पर ट्राइबल लॉबी भारी पड़ गया। साय मंत्रिमंडल में अभी सामान्य वर्ग से विजय शर्मा उप मुख्यमंत्री हैं। शेष ओबीसी, एसटी और एससी वर्ग से हैं।

सुबोध सिंह ही रहेंगे ऊर्जा सचिव ?

वैसे तो रोहित यादव के लंबे अवकाश पर जाने की वजह से मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह को ऊर्जा विभाग का प्रभार दिया गया है, पर चर्चा है कि आगे भी सुबोध सिंह के पास ऊर्जा विभाग के साथ छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के अध्यक्ष की जिम्मेदारी रहेगी और छुट्टी से लौटने के बाद रोहित यादव को कोई दूसरा विभाग दे दिया जाएगा। मुख्यमंत्री के पास ऊर्जा विभाग है और सुबोध सिंह उनके प्रमुख सचिव हैं। डॉ. रमन सिंह और भूपेश बघेल के राज में भी मुख्यमंत्री के सचिव ऊर्जा सचिव रहे हैं। सुबोध सिंह और रोहित यादव दोनों ही हाल ही के महीनों में भारत सरकार से प्रतिनियुक्ति से छत्तीसगढ़ लौटे हैं। सुबोध सिंह बाद में आए। रोहित यादव पहले आ गए थे। मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद से ऊर्जा लेकर रोहित यादव को सौंपा गया था। अब इंतजार है छुट्टी से लौटने के बाद रोहित यादव को कौन सा विभाग मिलता है।